INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-112 | सांध्य दैनिक | मथुरा, गुरुवार, 18 जून 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

सड़कों पर मुफ्त कब्जा कब तक करेंगे निजी वाहन मालिक

कृष्णा नगर में मुख्य मार्ग पर खड़ी गाड़ियां।

कंकाली रोड पर सफेद पट्टी के बाहर खड़ी कार।

यूनिक समय, मथुरा। शहर में बढ़ती वाहनों की संख्या अब सड़कों पर अतिक्रमण और जाम की वजह बनने लगी हैं, पार्किंग की समस्या भी गंभीर होने लगी है। प्रमुख बाजारों, चौराहों और धार्मिक स्थलों के आसपास सड़कों पर खड़ी निजी गाड़ियां राहगीरों के लिए परेशानी बन रही हैं। ऐसे में लोगों को निजी वाहन सवारों की वजह से परेशानी झेलनी पड़ रही है।

शहर के होली गेट, छत्ता बाजार, कृष्णा नगर, भूतेश्वर और रेलवे स्टेशन क्षेत्र में अक्सर सड़क किनारे खड़ी गाड़ियों की वजह से जाम की स्थिति बन जाती है। कई स्थानों पर पार्किंग की व्यवस्था होने के बावजूद वाहन चालक शुल्क बचाने के लिए अपनी गाड़ियां सार्वजनिक स्थान पर ही खड़ी कर देते हैं। इससे सड़क का बड़ा हिस्सा घिर जाता है, जिससे अन्य लोगों को आने- जाने में

बाजारों में बढ़ने लगा है अब रास्ता चलने का संकट

सड़कों पर निजी वाहनों का कब्जा बना जाम की वजह

समस्या होती है और जाम भी लगता रहता है। जब निजी वाहन सार्वजनिक सड़क और स्थान घेर लेते हैं तो पैदल यात्रियों, साइकिल सवारों और दोपहिया वाहन चालकों को जोखिम उठाना पड़ता है। इस समस्या से जाम लगता है, जिससे समय की बर्बादी, ईंधन की अतिरिक्त खपत और प्रदूषण भी बढ़ता है। इंजीनियर सुधीर अग्रवाल का कहना है कि जिस प्रकार दुकान, रेहड़ी या अन्य व्यावसायिक गतिविधियों के लिए सार्वजनिक स्थान के उपयोग पर शुल्क लिया जाता है, उसी प्रकार सड़क पर वाहन खड़ा करने के लिए भी शुल्क होना चाहिए। इससे वाहन मालिकों में जिम्मेदारी बढ़ेगी और अनावश्यक पार्किंग पर रोक लगेगी।

शहर में आए दिन अतिक्रमण हटाने के अभियान तो चलाए जाते हैं, लेकिन सड़कों पर स्थायी रूप से खड़ी निजी गाड़ियों को अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है। नगर निगम और पुलिस यातायात विभाग सार्वजनिक मार्गों पर पार्किंग के लिए प्रभावी शुल्क व्यवस्था और सख्त नियम लागू करें, तो यातायात व्यवस्था सुधरने के साथ नगर निकाय की आय भी बढ़ सकती है। पर्यटन और आस्था की नगरी मथुरा में अब यह बहस जरूरी हो गई है कि सार्वजनिक सड़कों पर निजी वाहनों का मुफ्त कब्जा कब तक चलता रहेगा।

पार्किंग को तय किए जाएं स्थान

शहर में चार पहिया वाहन कार आदि के लिए अधिकांश पार्किंग का अभाव ही है। वहीं, रोक- टोक नहीं होने से सड़कें ही पार्किंग बन गई हैं। प्रशासन ने बीएसए महाविद्यालय की चारदीवारी के पास पार्किंग का स्थान तय किया है। लोगों का कहना है कि प्रशासन को ऐसे अन्य स्थान पार्किंग के लिए तय करने चाहिए, जिससे सड़कों पर वाहन खड़ा करने की प्रवृति पर अंकुश लगेगा और नगर निगम की आय भी बढ़ेगी। सड़क पर वाहन खड़ा करने वालों पर जुर्माना लगाने से ऐसी खराब प्रवृति में सुधार भी होगा।

नए बस अड्डे से नहीं होगा बसों का संचालन

15 दिन बंद बंद रहेगा संचालन, माल गोदाम रोड से संचालित होंगी बसें

यूनिक समय, मथुरा। शहर के नए बस अड्डे से रोडवेज बसों का संचालन नहीं होगा। पुल और लाइन पर पर रेलवे की ओर से काम किए जाने की वजह से बस अड्डे से 15 दिन तक बसें रवाना नहीं होंगी। इसके लिए रोडवेज की बसों को अस्थाई रूप से माल गोदाम रोड से संचालित किया जाएगा। डीएम की मौजूदगी में हुई बैठक में रेलवे और रोडवेज के अधिकारियों में इसे लेकर सहमति बनी है।

नए बस अड्डे के समीप से रेलवे लाइन निकल रही है, जबकि रेलवे का पुल भी निकट बना हुआ है। इस पुल और लाइन पर रेलवे को काम करना है, जिससे ट्रेनों को सुगमता से संचालित किया जा सके। रेलवे के इस काम में नए बस अड्डे से बसों का संचालन परेशानी दे रहा है। गुरुवार को इस समस्या के निदान और काम को करने के लिए रेलवे और रोडवेज अधिकारियों की डीएम कार्यालय में बैठक हुई।

डीएम चन्द्रप्रकाश सिंह और एडीएम वित्त पंकज वर्मा, नगर मजिस्ट्रेट अनुपम मिश्रा और अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में चली बैठक में रेलवे के लाइन से जुड़े काम को लेकर मंथन हुआ। बैठक में आए रेलवे के अधिकारियों ने बताया कि लाइन और पुल से जुड़ा करने के लिए बस अड्डे से बसों का संचालन बंद होना जरूरी है, जिससे किसी घटना की संभावना पैदा नहीं हो सके। इसके लिए उन्होंने 15 दिन के लिए नए अड्डे से बसों का संचालन नहीं करने का सुझाव दिया। इस पर बैठक में मौजूद अधिकारियों ने विकल्प तलाशने और जनता की कठिनाइयों का समाधान खोजने की बात की। एआरएम मदन मोहन शर्मा ने बताया कि रेलवे को नए बस अड्डे के पुल और लाइन पर काम करना है। डीएम की मौजूदगी में नए बस अड्डे के बजाय बसों का संचालन माल गोदाम रोड से करने पर सहमति बनी है। अब 23 जून से बसों का संचालन नए बस अड्डे के बजाय माल गोदाम रोड से होगा।

रेलवे तय करेगा कैसे करेंगे काम

नगर मजिस्ट्रेट अनुपम कुमार मिश्रा ने बताया कि रेलवे द्वारा किए जाने वाले काम को लेकर आज डीएम की मौजूदगी में बैठक हुई है। नए बस स्टैंड पुल से यातायात वन वे करना है या क्या करना है, कब से काम करना है, इसके लिए रेलवे विभाग की ओर से जानकारी दी जाएगी। इसके बारे में जल्द ही जानकारी दी जाएगी।

कल से बैंड, बाजा और बारात का सुनिए शोर

यूनिक समय, मथुरा। करीब डेढ़ माह की शांति के बाद जिले के बाजार फिर से शादी–विवाह की तैयारियों से खिलखिला उठे हैं। 19 जून से विवाह के शुभ मुहूर्त शुरू होने के साथ ही कपड़ा, सराफा, बर्तन, फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स और उपहार सामग्री के बाजारों में ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई है। ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, शुभ ग्रह–नक्षत्र और लग्न में संपन्न विवाह दांपत्य जीवन के लिए मंगलकारी माना जाता है। यही वजह है कि 19 जून से शुरू हो रहे विवाह मुहूर्तों को लेकर परिवारों में उत्साह का माहौल है। कपड़ों की दुकानों पर शादी के परिधानों की खरीदारी तेज हो गई है, जबकि सराफा बाजार में आभूषणों की मांग बढ़ने लगी है। वहीं बर्तन, फर्नीचर और गिफ्ट आइटम के कारोबारियों ने भी बिक्री बढ़ने की उम्मीद जताई है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, 12 जुलाई तक विवाह के शुभ मुहूर्त हैं। इसके बाद देवशयनी एकादशी के साथ भगवान विष्णु के योगनिद्रा में जाने की मान्यता के चलते चातुर्मास प्रारंभ हो जाएगा। चातुर्मास के दौरान विवाह और अन्य मांगलिक कार्यों पर विराम लग जाता है। यही कारण है कि लोग इस अवधि से पहले अपने पारिवारिक समारोह करने में जुटे हैं।

5922 सुपरवाइजर–प्रगणकों ने किया जनगणना का काम पूरा

जनगणना का काम पूरा, प्रदेश में मथुरा तीसरे पायदान पर

यूनिक समय, मथुरा। जनपद मथुरा ने जनगणना–2027 के प्रथम चरण का कार्य तय समय से भी पांच दिन पहले पूरा कर लिया है। इसमें मकान सूचीकरण और मकान गणना का कार्य शामिल था। यह उपलब्धि 20 जून की तय समय–सीमा से पहले हासिल की गई।

प्रदेश भर में जनगणना से जुड़ा यह अभियान 22 मई से 20 जून तक चलना था। इससे पहले सात से 21 मई तक स्वगणना का काम हुआ, जिसमें 23 हजार से अधिक लोगों ने अपनी जानकारी को एप के जरिये आनलाइन

दर्ज किया। वहीं, प्रशासन की मजबूत कार्ययोजना, प्रभावी निगरानी और बेहतर समन्वय से जनगणना से जुड़ा यह लक्ष्य समय से पहले प्राप्त किया गया। अधिकारियों और कर्मचारियों के समर्पित प्रयासों ने इसमें महत्वपूर्ण

तय समय से पहले ही पूरा हुआ काम, डीएम ने दी बधाई

भूमिका निभाई।

हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स का कार्य संपन्न होने के बाद अगर आंकड़ों पर गौर करें तो मथुरा में 24.68 लाख जनसंख्या है।

मांट तहसील में संभावित जनसंख्या करीब 5.61 लाख है। वहीं, छाता तहसील की संभावित जनसंख्या 4.96 लाख है। निकाय में कोसीकलां सभावित जनसंख्या के लिहाज से प्रथम पायदान पर है, जबकि बरसाना कस्बा दूसरे नंबर पर है, जिसकी संभावित जनसंख्या 47 हजार से अधिक है। गोकुल की संभावित जनसंख्या सबसे कम सात हजार है।

डीएम चंद्रप्रकाश सिंह ने बताया कि जिले में जनगणना से जुड़ा काम समय से पहले पूरा कर लिया गया है, इस मामले में मथुरा प्रदेश में तीसरे स्थान पर रहा। जनगणना के लिए 5922 प्रगणक और सुपरवाइजर लगाए गए थे। समय से पहले काम पूरा करने के लिए उन्होंने सभी को बधाई दी है।

दस्तावेज लेखकों की हड़ताल से सूने हो गए कार्यालय

ऑनलाइन रजिस्ट्री के विरोध में हड़ताल पर बैठे कातिब और अन्य।

ऑनलाइन पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में जारी है हड़ताल

रजिस्ट्री प्रक्रिया का काम ठप, ठेल-खोमचे वाले हुए प्रभावित

यूनिक समय, मथुरा। ऑनलाइन दस्तावेज पंजीकरण व्यवस्था के विरोध में गुरुवार को मथुरा समेत अन्य रजिस्ट्री कार्यालयों में दस्तावेज लेखकों ने प्रदर्शन किया। रजिस्ट्री प्रक्रिया का काम ठप होने से सरकार को राजस्व का हर रोज नुकसान हो रहा है।

कातिब और लेखकों की हड़ताल के बाद सूना पड़ा उप निबंधन कार्यालय।

लेखकों का कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर सरकार गंभीरता से विचार नहीं करेगी, तब तक उनका आंदोलन जारी हड़ताल पर बैठे दस्तावेज रहेगा।

दस्तावेज लेखकों ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा ऑनलाइन दस्तावेज रजिस्ट्रीकरण नियमावली के तहत सॉफ्टवेयर के माध्यम से पंजीकरण की नई व्यवस्था लागू की जा रही है। इसके अंतर्गत दस्तावेजों का पंजीकरण और प्रारूप का ऑनलाइन अनुमोदन सहायक महानिरीक्षक निबंध द्वारा अनिवार्य किए जाने का प्रावधान है। लेखकों का कहना है कि इससे उनकी आजीविका पर सीधा संकट खड़ा हो गया है, बड़ी संख्या में दस्तावेज लेखक बेरोजगार होने की कगार पर पहुंच जाएंगे। बैनामा कराने आए रैपुराजाट के राहुल ने बताया कि वह रजिस्ट्री कराने के लिए उप निबंधन मथुरा कार्यालय पहुंचे थे, लेकिन यहां पहुंचने पर पता चला कि दस्तावेज लेखक हड़ताल पर हैं।

गायब हो गई रौनक वाहन हुए कम

दस्तावेज लेखकों की हड़ताल से उप निबंधन कार्यालय सूने पड़े हैं, जबकि आसपास सजने वाली नाश्ता और खानपान की ठेलों से रौनक गायब हो गई है। कचहरी मार्ग के फुटपाथ पर सजने वाली पार्किंग से वाहन की संख्या काफी कम हो गई है। करीब तीन करोड़ रुपये प्रतिदिन की स्टांप बिक्री बंद होने से विभाग की आय भी प्रभावित हो रही है।

छोटी सी बात से हो रहे हैं रोज झगड़े

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के आसपास का क्षेत्र अब आए दिन किसी झगड़े के कारण चर्चा का विषय बन रहा है। मंदिर में दर्शन करने के लिए आने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ के कारण किसी न किसी बात कहासुनी होती है और फिर हाथापाई में बदल जाती है।

पिछले कई दिनों से मंदिर के आसपास वाले क्षेत्र में आए दिन होने वाले झगड़े मीडिया की सुर्खियां बनते दिखाई दे रहे हैं। इस झगड़ों के पीछे छोटी मानसिकता बताई जा रही है। लोगों को आशंका है कि कहीं छोटे से विवाद आने वाले समय बड़ा रुप न ले लें, इसलिए बांकेबिहारी पुलिस चौकी पर तैनात सिपाहियों को मंदिर मार्ग पर

पुलिस को पैनी नजर रखने की जरूरत

विशेष निगरानी रखनी चाहिए, जिससे किसी विवाद की स्थिति तत्काल नियंत्रण किया जा सके। इंटरनेट मीडिया पर वायरल वीडियो बड़ी तेजी के साथ फैलती है, जो लोगों को सोचने के लिए विवश करती है आखिर वृंदावन में क्या हो रहा है। पंडा सभा के नगर अध्यक्ष श्याम सुंदर गौतम का कहना है कि पुलिस को सतर्क रहने की जरूरत है। कुछ लोग बिना बात के छोटी सी बात को इतना अधिक तूल दे देते हैं कि कितना बड़ा झगड़ा हो गया। ऐसे मामलों को जरा सी सतर्कता से शांत किया जा सकता है।

बढ़ेगी और गर्मी अब हीट बेव का अलर्ट

यूनिक समय, मथुरा। मौसम भी इन दिनों अलग ही रंग दिखा रहा है। पल में मासा- पल में तोला वाली कहावत भी मौसम साबित कर रहा है। अब मौसम विभाग ने दो दिन तक हीट बेव चलने का पूर्वानुमान जारी किया है। 21 और 22 जून को गर्म बयार चलने की आशंका जताई है, जबकि इससे पहले 20 जून तक आसमान में हल्के बादल छाए रहने का पूर्वानुमान जारी किया है। मौसम विभाग ने गुरुवार को जिले से जुड़ा मौसम का पूर्वानुमान जारी किया है। 23 जून तक के लिए जारी इस पूर्वानुमान में बताया गया है कि 21 और 22 जून को हीट बेव चल सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस के पार भी जा सकता

बीस जून तक आसमान पर छाए रहेंगे हल्के बादल

है, जबकि आज से 20 जून तक आसमान पर हल्के बादल छाए रह सकते हैं। मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, 20 जून तक आसमान पर छाए रहने वाले हल्के बादल कुछ राहत दे सकते हैं, जबकि अगले दो दिन लू चलने के आसार हैं। उन्होंने बताया कि इस दौरान लोगों को उमस भरी गर्मी से परेशानी हो सकती है। गुरुवार को भी आसमान पर दिन में कई बार बादल भी छाए। मौसम के ऐसे हाल से अधिकतम तापमान 39 और न्यूनतम 29 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

तापमान / मौसम

40 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

28 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना-चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,51,250
22 कैरेट 1,38,645
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,60,000 प्रति किलो

हंसता आईना

एक दिन में टिकट जांच से 86,390 रुपये का राजस्व अर्जित

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा जंक्शन पर कार्यरत चल टिकट निरीक्षक विपिन कुमार यादव ने अपनी ड्यूटी में एक दिन में टिकट जांच अभियान के दौरान 113 बिना टिकट और अनियमित रूप से यात्रा कर रहे यात्रियों को पकड़कर 86,390 रुपये का राजस्व वसूला गया। सीटीआई प्रभारी नागेंद्र तिवारी ने बताया कि यह सफलता कर्मचारी द्वारा मेहनत और निष्ठापूर्वक किए गए कार्य का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि मंडल कार्यालय से प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में अधीनस्थ कर्मचारियों को रेल राजस्व बढ़ाने एवं टिकट जांच अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए समय-समय पर काउंसिलिंग- मार्गदर्शन दिया जाता है, जिसका सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहा है।

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालय:- यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक-पवन गौतम

फोन नंबर-0565-2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220

डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026-28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

हिस्ट्रीशीटर और गैंगस्टरों पर कड़ी कार्रवाई हो : एसएसपी

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी ने जनपद में होने वाले अपराध और उन पर की जाने वाली प्रभावी कार्यवाई के लिए आज पुलिस लाइन स्थित सभागार मे पुलिस अधिकारियों की बैठक ली। अपराध गोष्ठी में क्षेत्रवार होने वाले अपराधों की समीक्षा की गई, अपराध नियंत्रण अदि के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए गए।

एसएसपी श्लोक कुमार ने पुलिस लाइन के सभागार में हुई अपराध समीक्षा गोष्ठी में मौजूद सभी सर्किल ऑफीसरों और थाना प्रभारी निरीक्षकों से उनके क्षेत्र में होने वाले अपराध और उन पर पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई के बारे में जानकारी हासिल की। इसके साथ ही थानों में की जाने वाली मुकदमों की विवेचनाओं को भी गुण-दोष के आधार पर शीघ्र से शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। जिन थानों में विवेचनाएं लंबित पाइ गई उन पर नाराजगी जाहिर करते हुए विवेचनाओं का तत्काल निस्तारण करने को कहा गया। महिलाओं से संबधित अपराधों पर भी एसएसपी गंभीर नजर आए। इन मामलों में तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए। एसएसपी ने हिस्ट्रीशीटर और गैंगस्टर अपराधियों पर नजर रखने और उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जमीन संबंधि मामलों में बिना राजस्व विभाग के अधिकारियों को हस्तक्षेप न करने को कहा गया। क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम रखने और अपराधियों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई करने को कहा गया। अपराध गोष्ठी में सभी अपर पुलिस अधीक्षक, सीओ थाना प्रभारी निरीक्षक आदि मौजूद रहे।

पुलिस लाइन सभागार में अपराध गोष्ठी में अधिकारियों से जानकारी हासिल करते एसएसपी श्लोक कुमार।

अपराध गोष्ठी में दिए अपराध नियंत्रण के आदेश

महिलाओं से जुड़े अपराधों में त्वरित की जाए कार्रवाई

अच्छे काम पर एसएसपी ने किया सम्मानित

यूनिक समय, मथुरा। एसएसपी श्लोक कुमार ने पुलिस लाइन स्थित सभागार में आज जनपद की कानून व्यवस्था को सुदढ़ रखने और त्यौहारों को सकुशल संपन्न कराने के साथ–साथ जनपद में हुए गंभीर अपराधों का त्वरित अनावरण करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मान किया। सम्मानित किए जाने वालों में एएसपी नगर राजीव कुमार सिंह, एसपी ग्रामीण सुरेशंचद रावत, एएसपी यातायात राजेश कुमार तिवारी, प्रीतम सिंह सीओ सदर, अनिल कुमार सिंह सीओ गोवर्धन, भगवत सिंह गुर्जर निरीक्षक थाना गोवर्धन, बरसाना निरीक्षक अश्वनी कुमर, वृंदावन निरीक्षक संजय कुमार पांडेय, शौर्य कुमार निरीक्षक यातायात, रविंद्र कुमार निरीक्षक यातायात, उप निरीक्षक अमित कुमार सुरीर, उप निरीक्षक बिनीत दागी, उप निरीक्षक प्रवल प्रताप सिंह, उप निरीक्षक सोहन पाल सिंह,मुख्य आरक्षी महेंद्र सिंह, दीपक कुमार, कांस्टेबल ललित शर्मा, पुष्पेंद्र कुमार, कोतवाली से उप निरीक्षक पवन चौहान, मुख्य आरक्षी स्वाट दुर्विजय सिंह, उप निरीक्षक मोमराज, मुख्य आरक्षी कोतवाली विमल कुमार शामिल थे।

सफाई कर्मी का शव रेलवे ट्रेक पर मिला

परिवार के लोगों ने लगाया हत्या का आरोप

पत्नी से बना लिए थे जीजा ने अवैध संबंध

दोनों के एक कमरे में मिलने पर हुई थी मारपीट

यूनिक समय, मथुरा। थाना आगरा के रुनकता रेलवे ट्रैक पर एक युवक का कटा हुआ शव पड़ा होने की सूचना पर जीआरपी मथुरा जंक्शन ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। युवक की शिनाख्त अनिल निवासी कुंडान चंदनगढ़ी, आगरा के रूप में हुई है।

पोस्टमार्टम ग्रह पर आए मृतक के परिवारीजनों ने बताया कि अनिल की शादी गांव छहपोखर थाना अछनेरा क्षेत्र में हुई थी। अनिल की पत्नी को उसकी बहन (ताऊ की पुत्री) के पति अरुण ने सफाई कर्मचारी के रुप में करीब डेढ़ माह पूर्व रुनकता में नौकरी पर लगवा दिया था।

महिला अपने पति अनिल के साथ किराए के मकान की ऊपरी मंजिल में दो बच्चों के साथ रह रही थी, जबकि नीचे की मंजिल में अरूण रहता था। बताया गया कि 15 जून को पत्नी ने तबियत खराब की बात कही। पैसे नहीं होने पर अनिल पत्नी के इलाज के लिए अपने परिचित से पैसे मांगने के लिए चला गया। सायं को जब वह लौटा तो पत्नी नीचे अपने जीजा के कमरे में मिली। पत्नी से उसने डॉक्टर के पास चलने के लिए कहा।

इस पर अरुण और उसकी पत्नी ने उससे झगड़ा करते हुए मारपीट की। अनिल वहां से जाकर रात में अपने कमरे सो गया। अनिल ने ससुर से इस बारे में शिकायत की तो ससुर बेटी को रात में ही अपने साथ ले गया। अगले दिन सायं तक अनिल को वहां देखा गया। इसके बाद उसका कुछ पता नहीं चला। परिवार के लोग उसे तलाश करते रहे। रुनकता रेलवे ट्रैक पर लाइन के बीच उसका कटा हुआ शव अज्ञात के रूप में पड़ा मिला। परिवार के लोगों का कहना है कि उसकी हत्या कर शव को रेलवे लाइन पर फैंका गया है। पुलिस को पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार है।

मौरा गांव की झौंपड़ी में मिला ग्रामीण का शव

परिवार के लोगों ने लगाया हत्या का आरोप

भतीजी को भगा ले जाने वालों को पुलिस ने छोड़ा

यूनिक समय, मथुरा। थाना जैंत के गांव मौरा में खेत पर रखवाली के लिए गए एक ग्रामीण का शव आज प्रातः झौंपड़ी में मिलने से सनसनी फैल गई। परिवार के लोगों ने उसकी हत्या किए जाने की बात कही है।

गांव मौरा निवासी प्रताप (45) पुत्र लोकी कल सायं को फसल रखवाली के लिए खेत पर गया था। बताया गया कि आज प्रातः उसका शव झौंपड़ी में पड़ा मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। परिवार के लोगों का कहना है कि प्रताप के कान से खून निकल रहा था। इसके साथ ही उसका पूरा शरीर नीला पड़ा हुआ था। परिवार के लोगों का आरोप है कि रात में उसकी हत्या की गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम हाउस पर परिवार के लोगों ने बताया कि प्रताप की भतीजी को करीब एक सप्ताह पूर्व गांव के कुछ लोग अगवा कर ले गए थे। इस मामले में जैंत पुलिस से शिकायत की गई थी। पुलिस चार- पांच लोगों को पूछताछ के लिए पकड़ कर थाने ले गई थी। परिवार के लोगो का कहना है कि पुलिस ने थाने में बैठाए गए लोगों को बिना लड़की बरामद कराए छोड़ दिया। आरोप है कि इन लोगों ने दुश्मनी के चलते रात में खेत पर झौंपड़ी में प्रताप की हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस को तहरीर दी जाएगी।

कोर्ट ने दी चोर को तीन साल की कैद

यूनिक समय,मथुरा। एसीजेएम द्वितीय ने मकान का ताला तोड़कर जेवर नकदी चोरी करने वाले चोर को तीन वर्ष की साधारण कैद की सजा और चार हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

अभियोजन के अनुसार, रिफाइनरी थाना क्षेत्र के ए–11 श्री बांके बिहारी टाउन आजमपुर रिफाइनरी निवासी सत्यपाल सिंह के माता-पिता का 21 जनवरी 2023 को देहांत हो गया था। परिवार के सभी लोग नगला मोहन, जुगसुना थाना बलदेव गए हुए थे चोरों ने उनके मकान का ताला तोड़ कर घर में रखे जेवरात और नकदी चोरी कर ली थी।

सत्पाल सिंह ने 23 जनवरी 2023 को रिफाइनरी थाने में चोरी की रिपोर्ट अज्ञात चोरों के खिलाफ दर्ज कराई थी। पुलिस ने इस मामले में सतीश निवासी गांव अधियाना थाना मतलौडा जिला पानीपत (हरियाणा) को गिरफ्तार कर चोरी के जेवरात और 4 हजार रुपये की नगदी बरामद की थी। पुलिस ने सतीश के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई एसीजेएम द्वितीय की अदालत में हुई। अदालत ने अभियुक्त को उक्त सजा से दंडित किया।

हादसे में बाइक सवार और वृद्ध राहगीर की मौत

यूनिक समय, मथुरा। मथुरा–आगरा हाईवे पर गांव बरारी के समीप बीते दिन हुए हादसे में पैदल सड़क पार कर रहे एक बुजुर्ग और एक बाइक सवार युवक की मौत हो गई। दोनों ने अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

गांव बरारी निवासी परिषदीय विद्यालय में शिक्षक संजीव यादव के बड़े भाई नेपाल सिंह (65 वर्ष) पैदल सड़क पार कर रहे थे। इसी दौरान दिल्ली की ओर से आ रहे एक तेज रफ्तार पल्सर बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि नेपाल सिंह और बाइक सवार युवक दोनों ही लहूलुहान होकर सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए।

हादसे के बाद हाईवे पर चीख–पुकार मच गई और राहगीर– स्थानीय ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। लहूलुहान स्थिति में पड़े दोनों घायलों को पुलिस के आने से पहले स्थानीय लोगों ने ही संभाला और अस्पताल भिजवाया, लेकिन अस्पताल पहुंचने से पहले ही रास्ते में दोनों ने दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा भरा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। बाइक सवार युवक की शिनाख्त श्रीकांत पुत्र सुरेंद्र यादव निवासी ग्राम नगला गुलाल फिरोजाबाद के रूप में हुई है। श्रीकांत गुरुग्राम में नौकरी करता था और बाइक से अपने घर लौट रहा था।

नेपाल सिंह का फाइल फोटो

छटीकरा बिजलीघर पर ग्रामीणों का प्रदर्शन

48 घंटे से अंधेरे में डूबा देवीपुरा गांव

बिजली समस्या को लेकर छटीकरा के बिजलीघर पर प्रदर्शन करते ग्रामीण।

यूनिक समय, चौमुहां। ट्रांसफॉर्मर में आग लगने की घटना के बाद 48 घंटे से बिजली आपूर्ति ठप होने पर ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा। गांव देवीपुरा के ग्रामीण गुरुवार को बड़ी संख्या में छटीकरा बिजलीघर पहुंचे और प्रदर्शन करते हुए विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। ग्रामीणों का आरोप था कि जेई और एसडीओ फोन ही नहीं रिसीब करते हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में ट्रांसफॉर्मर में अचानक आग लग गई थी, जिससे बड़ा हादसा होते–होते टल गया। घटना के बाद से पूरे गांव की बिजली आपूर्ति बाधित है। भीषण गर्मी के बीच लगातार दो दिनों से बिजली न होने के कारण लोगों को कई परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। पेयजल व्यवस्था भी प्रभावित हो गई है और बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को सबसे अधिक दिक्कत उठानी पड़ रही है।

ग्रामीणों ने लगाया आरोप– फोन नहीं उठाते हैं जेई और एसडीओ

प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों ने बताया कि बिजली आपूर्ति बहाल कराने के लिए कई बार संबंधित अधिकारियों से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन जेई और एसडीओ फोन तक नहीं उठा रहे हैं। इससे ग्रामीणों में विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ती जा रही है। सुरेश,राजकुमार,महेश सिंह, माया देवी आदि दर्जनों ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द से जल्द ट्रांसफॉर्मर को बदलकर बिजली आपूर्ति बहाल नहीं की गई तो आंदोलन और तेज किया जाएगा। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने विद्युत विभाग से तत्काल कार्रवाई की मांग की।

जानलेवा साबित हो सकती है बिजली विभाग की लापरवाही

सड़क किनारे बिजली विभाग द्वारा केविल डालने को खोदा गया गड्ढा।

यूनिक समय, मथुरा। जिला कारागार से पहले मथुरा– आगरा मार्ग पर जवाहर बाग कॉलोनी के निकट सड़क पर बिजली विभाग द्वारा केबिल डालने के लिए खोदे गए गड्ढे से कभी भी बढ़ा हादसा हो सकता है। सड़क के बिल्कुल किनारे बिजली विभाग द्वारा केविल डालने के लिए जो गड्ढा खोदा गया है, उसके आस–पास कोई ऐसा अवरोध नहीं लगाया गया है, जिससे इमरजेंसी में अपने वाहन को इस स्थान पर सड़क से नीचे न उतारे। रात के समय अगर कोई तेज रफ्तार सामने से आते वाहन को बचाने के लिए अपने वाहन को अगर सड़क के किनारे करेगा तो वाहन और उसमें बैठे

एक पखवाड़े से सड़क किनारे खुदा पड़ा है गहरा गड्ढा

रात में कोई भी वाहन हो सकता है दुर्घटना का शिकार

लोग हादसे का शिकार हो सकता है। करीब एक पखवाड़े से बिजली विभाग ने यहां गहरा गड्ढा बना दिया है, लेकिन वहां कोई काम नहीं किया न ही वहां कोई बोर्ड ही लगाया है।

आपकी आवाज बनेगा हमारा अभियान

यूनिक समय NEWS

जनहित से जुड़े मुद्दों को उजागर करने और आम जनता की समस्याओं को संबंधित विभागों तक पहुंचाने के लिए हम आपके सहयोग की अपेक्षा करते हैं। यदि आपके क्षेत्र में किसी भी विभाग से संबंधित कोई समस्या, अव्यवस्था, लापरवाही, भ्रष्टाचार, गंदगी, टूटी सड़क, जलभराव, बिजली–पानी की समस्या अथवा अन्य कोई जनहित का मामला है, तो उसकी जानकारी हमें भेजें। समस्या से संबंधित स्पष्ट फोटो या वीडियो के साथ संक्षिप्त विवरण उपलब्ध कराएं। आपकी ओर से प्राप्त जानकारी को प्रमुखता से प्रकाशित कर संबंधित अधिकारियों एवं विभागों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा, ताकि समस्या के समाधान में मदद मिल सके।

आपकी जागरूकता, समाज के विकास की ताकत है।

–संपादक

टेलीफोन : 0565–3550761 मोबाइल : 8394983366

शिक्षा विभाग का बड़ा एक्शन

स्कूलों पर गाज गिरने से मचा हड़कंप

यूनिक समय, मथुरा। जिले में शिक्षा व्यवस्था से जुड़ी एक कार्रवाई ने विद्यालय संचालकों की नींद उड़ा दी है। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने ऐसे 11 विद्यालयों की मान्यता समाप्त कर दी है, जिनके छात्र लगातार दो वर्षों से हाईस्कूल और इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षाओं में शामिल नहीं हुए। इस फैसले के बाद जिले के निजी विद्यालयों में चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। शिक्षा विभाग की इस कार्रवाई को उन विद्यालयों के लिए चेतावनी माना जा रहा है, जो केवल कागजों पर संचालित हो रहे हैं या जहां शैक्षणिक गतिविधियां अपेक्षित स्तर पर नहीं चल रही हैं।

मान्यता समाप्त होने की खबर मिलते ही कई विद्यालय संचालक विभाग के चक्कर काटते नजर आए। वहीं, इस कार्रवाई के बाद जिन विद्यालयों की मान्यता संबंधी फाइलें लंबे समय से लंबित हैं, उनके संचालकों की चिंता भी बढ़ गई है।

ऐसे संचालकों का कहना है कि नियमों का पालन करने और आवश्यक औपचारिकताएं पूरी करने के बावजूद

दो साल तक बोर्ड परीक्षा में नहीं पहुंचे छात्र

अब मान्यता समाप्त होते ही मची सनसनी

कई मामलों में निर्णय नहीं हो पा रहा है। वृंदावन क्षेत्र के एक विद्यालय संचालक ने बताया कि उन्होंने कई माह पूर्व मान्यता के लिए आवेदन किया था, लेकिन अभी तक प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। उनका कहना है कि समय और धन खर्च करने के बाद भी फाइलें आगे नहीं बढ़ पा रही हैं। अब जिले भर में यह चर्चा है कि क्या आने वाले दिनों में ऐसे अन्य विद्यालय भी विभाग की जांच के दायरे में आएंगे।

फिलहाल शिक्षा विभाग की इस सख्ती ने साफ संकेत दे दिया है कि नियमों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के लिए आगे की राह आसान नहीं होगी। शिक्षा से जुड़े जानकारों का कहना है कि मान्यता समाप्त किए जाने वाले विद्यालयों में शामिल कई विद्यालय तो केवल कागजों में संचालित हो रहे थे।

गोविंद नगर क्षेत्र में बिजली की केबिल में करंट आने से गाय की मौत

यूनिक समय, मथुरा। गोविंद नगर क्षेत्र में गुरुवार सुबह एक गाय की करंट लगने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि गाय सड़क के पास घूम रही थी, तभी वह बिजली के करंट की चपेट में आ गई। घटना होते ही आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और गाय को बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। गाय की मौत से क्षेत्र के लोगों में दुख का माहौल है। स्थानीय लोगों ने बताया कि बिजली के तारों और खंभों की नियमित जांच होनी चाहिए, ताकि इस तरह की घटनाएं न हों।

बिजली के खंभे में करंट लगने से मृत गाय।

रात की बिजली कटौती से वृंदावन बेहाल

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी वृंदावन में लगातार हो रही विद्युत कटौती से लोग परेशान हैं। दिन के मुकाबले रात में होने वाली बिजली कटौती ने आमजन, व्यापारियों और श्रद्धालुओं की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। लोगों का आरोप है कि शिकायत करने के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो रहा है। साथ ही विद्युत कंट्रोल रूम पर फोन करने पर कॉल रिसीव नहीं किए जाते। व्यापारी नेता अंकित वार्ष्णेय ने कहा कि कटौती के कारण प्रमुख मंदिरों के आसपास अंधेरा छा जाता है, जिससे असामाजिक तत्वों के हौसले बढ़ते हैं। वहीं समाजसेवी सुधीर शुक्ला ने कहा कि सरकार को वृंदावन को अनावश्यक बिजली कटौती से राहत दिलाने के लिए विशेष कदम उठाने चाहिए, ताकि स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं को सुविधा मिल सके।

बिजली चोरों पर कसा शिकंजा

11 जगह पकड़ी चोरी, अवैध केबिलें जब्त

यूनिक समय, मथुरा। बिजली चोरी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में गुरुवार को विजिलेंस और बिजली विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डींग गेट और वृंदावन क्षेत्र में 11 स्थानों पर बिजली चोरी पकड़ी। छापेमारी की खबर फैलते ही कई इलाकों में हड़कंप मच गया। टीम ने मौके से अवैध केबल भी जब्त कर ली हैं। अब आरोपियों पर एफआईआर और भारी जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी।

अधिशासी अभियंता आशीष गुप्ता के निर्देशन में विजिलेंस प्रभारी अरुण कुमार, एई रेड्स सतेन्द्र कुमार, एसडीओ शुभम अग्रवाल और टीम के द्वारा डींग गेट क्षेत्र में जांच अभियान चलाया। यहां सात स्थानों पर लोग अवैध रूप से बिजली का उपयोग करते मिले। इसके बाद टीम वृंदावन की कान्हा उपवन कॉलोनी पहुंची, जहां चार मामलों में

बिजली चोरी करने वालों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में शामिल विद्युत अधिकारी और विजिलेंस टीम के सदस्य।

बिजली चोरी पकड़ी गई। कार्रवाई के दौरान अधिकारियों ने मौके की वीडियोग्राफी और फोटोग्राफी कराई और चोरी में इस्तेमाल की जा रही केबलों को जब्त कर लिया।

विभाग का कहना है कि सभी मामलों में नियमानुसार रिपोर्ट दर्ज कराई जा रही है, जुर्माना भी वसूला जाएगा। अधीक्षण अभियंता (शहरी) मुदित तिवारी ने बिजली चोरी रोकने के लिए विशेष अभियान को और तेज करने के निर्देश दिए हैं।

उन्होंने कहा कि बिजली चोरी से विभाग को राजस्व हानि होती है और ट्रांसफार्मरों पर अतिरिक्त भार पड़ता है, जिससे आम उपभोक्ताओं को परेशानी झेलनी पड़ती है।

डींग गेट–वृंदावन में ताबड़तोड़ छापेमारी

अब बिजली चोरों पर होगी एफआईआर

विभाग ने छटीकरा, कैंट, वृंदावन, पागल बाबा, जयगुरुदेव, कैंट सदर और सलेमपुर समेत कई क्षेत्रों को चिन्हित किया है, जहां आने वाले दिनों में सुबह–सुबह विशेष चेकिंग अभियान चलाए जाएंगे। इसके लिए अलग–अलग टीमों का गठन किया गया है। बिजली विभाग के अधिकारियों ने साफ कहा है कि चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और किसी भी हाल में बिजली चोरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गंगा दशहरा तैयारियों को लेकर श्री माथुर चतुर्वेद परिषद ने डीएम को दिया ज्ञापन

यूनिक समय, मथुरा। गंगा दशहरा पर्व को लेकर श्री माथुर चतुर्वेद परिषद के पदाधिकारियों ने गुरुवार को डीएम चंद्र प्रकाश सिंह को ज्ञापन सौंपकर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने की मांग की। परिषद की ओर से दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि 24 जून को गंगा दशहरा पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु विश्राम घाट और अन्य घाटों पर स्नान और पूजा–अर्चना के लिए आते है। ऐसे में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए विश्राम घाट और आसपास के क्षेत्रों में विशेष साफ–सफाई कराई जाए। अस्थायी शौचालयों की व्यवस्था के अलावा महिला श्रद्धालुओं के लिए वस्त्र परिवर्तन को चेंजिंग रूम बनाए जाएं। ज्ञापन में घाटों पर जमी सिल्ट को हटवाने, घाटों तक जाने वाले सभी मार्गों पर पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था कराने, घाट और श्रद्धालुओं के बीच आने वाली बाधाओं, अतिक्रमण को हटाने की मांग भी की गई। पदाधिकारियों ने चिकित्सा सुविधाएं, एंबुलेंस की तैनाती और श्रद्धालुओं के लिए शीतल पेयजल सहित सभी व्यवस्थाओं की मांग की है। इस मौके पर महामंत्री राकेश तिवारी, परिषद के उपाध्यक्ष शिव कुमार चतुर्वेदी, संजय चतुर्वेदी, कोषाध्यक्ष कमल चतुर्वेदी, मंत्री नीरज चतुर्वेदी, युवा समिति के पंडित सौरभ चतुर्वेदी, गोपाल पाठक, गोपाल एडवोकेट सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डी.एल.एड. (बी.टी.सी.)
प्रशिक्षण–2026 हेतु ऑनलाइन आवेदन College code 040029
NCTE, SCERT एवं उत्तर प्रदेश सरकार से मान्यता प्राप्त अल्पसंख्यक संस्थान में
सभी राज्य के अभ्यर्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं
द्विवर्षीय डी.एल.एड (बी.टी.सी) प्रशिक्षण 2026 हेतु
इच्छुक एवं अर्हय अभ्यर्थियों से www.geimathura.com पर ऑनलाइन आवेदन आमन्त्रित किये जाते हैं शीघ्र करें।
आवेदन प्रारम्भ 17 जून , 2026
गायत्री एजूकेशनल इंस्टीट्यूट
रसूलपुर, मथुरा (अल्पसंख्यक संस्थान)
8445685003, 7055322211

स्टाफ की कमी बढ़ा रही महिला जिला अस्पताल की चिंता

एक डॉक्टर के भरोसे चल रही एसएनसीयू लैब टेक्नीशियन नहीं

अल्ट्रासाउंड की भी है अस्थायी व्यवस्था

यूनिक समय, मथुरा। महिला जिला अस्पताल में हर दिन सैकड़ों महिलाएं आती है। रोजाना करीब 250 से 280 महिलाएं यहां इलाज, जांच और प्रसव संबंधी सेवाओं का लाभ लेने पहुंचती हैं। संसाधनों और स्टाफ की कमी के बावजूद अस्पताल लगातार मरीजों को सेवाएं उपलब्ध करा रहा है, लेकिन बढ़ती मरीज संख्या के बीच डॉक्टरों और तकनीकी कर्मचारियों की कमी अब अस्पताल प्रशासन के लिए बड़ी चुनौती बनती जा रही है।

महिला अस्पताल में सबसे अधिक मरीज प्रसव और महिला रोगों से संबंधित पहुंचते हैं। अस्पताल में डिलीवरी सेवाओं के लिए महिलाओं का भरोसा लगातार बढ़ा है। आर्थिक रूप से कमजोर और मध्यम वर्गीय परिवारों की बड़ी संख्या यहां इसलिए भी आती है क्योंकि उन्हें जांच, उपचार और दवाएं निःशुल्क उपलब्ध हो जाती हैं। निजी अस्पतालों में बढ़ते खर्च के कारण भी लोगों का रुझान सरकारी अस्पतालों की ओर बढ़ा है।

अस्पताल में अब एसएनसीयू विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी खल रहीं है, वर्तमान में यह विभाग केवल एक डॉक्टर के भरोसे चल रहा है। वहीं इमरजेंसी सेवाओं में भी कर्मचारियों की कमी खूब खल रही है। स्थिति का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अस्पताल में लैब टेक्नीशियन का पद रिक्त है, जबकि अल्ट्रासाउंड की सुविधा भी स्थायी रूप से उपलब्ध नहीं है, केवल अस्थायी व्यवस्था के माध्यम से मरीजों को सेवा दी जा रही है। ऐसे में मरीजों की संख्या बढ़ने पर अस्पताल कर्मियों पर अतिरिक्त दबाव बन जाता है। महिला जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनिल कुमार पुर्वानी ने बताया कि अस्पताल में कुछ पदों पर स्टाफ की कमी है, लेकिन उपलब्ध संसाधनों से व्यवस्थाओं को बनाते हैं, कभी-कभी कर्मचारियों की कमी महसूस होती है, फिर भी मरीजों को बेहतर सेवाएं देने का प्रयास किया जाता है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक माह दो से चार ऐसे गंभीर मामले आते हैं जिन्हें उच्च स्तरीय उपचार के लिए एसएन मेडिकल कॉलेज आगरा रेफर किया जाता है।

महिला मरीजों की बात

अस्पताल में इलाज कराने आई पायल ने बताया कि यहां की सेवाएं संतोषजनक हैं, लेकिन सरकारी अस्पताल में घंटों तक अपनी बारी के लिए इंतजार करना पड़ता है। व्यवस्था में सुधार जरूरी है।

महिला मरीज कुसुम ने कहा कि महंगाई के दौर में निजी अस्पतालों का खर्च हर परिवार नहीं उठा सकता। उनका मानना है कि यदि अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मचारी पूरे हो तो फिर इतनी परेशानी नहीं आएगी।

भाड़े पर हत्या कराने वाली महिला सहित तीन को उम्रकैद

तीनों पर कोर्ट ने लगाया डेढ़-डेढ़ लाख रुपये का अर्थदंड

गिरफ्तारी के बाद से नहीं मिली थी कोर्ट से जमानत

यूनिक समय, मथुरा। एडीजे स्पेशल ईसी एक्ट राजेश पाराशर ने भाड़े के हत्यारों से युवक की हत्या कराने वाली महिला सहित तीन लोगों को आजीवन कारावास और डेढ़-डेढ़ लाख के अर्थ दंड की सजा से दंडित किया है।

शासन की ओर से मुकदमे की पैरवी करने वाले सहायक जिला शासकीय अधिवक्ता मुकेश बाबू गोस्वामी ने बताया कि वृंदावन कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत इस्कॉन मंदिर के पीछे राधा कृष्ण भवन के कमरे में 26 अक्तूबर 2023 को एक युवक की लोहे की रॉड आदि से पीट-पीट कर हत्या कर दी गई थी। मृतक की पहचान विकास गर्ग पुत्र पवन गर्ग निवासी 111 जी ब्लॉक भाटिया पेट्रोल पम्प श्रीगंगानगर, राजस्थान के रूप में हुई थी।

उसके भाई नितिन गर्ग ने इस मामले में महिला पूजा जोग निवासी श्रीगंगानगर राजस्थान सहित तीन लोगों के खिलाफ वृंदावन कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि विकास गर्ग पूजा जोग के साथ कई माह से वृंदावन में रहकर चाय की केंटीन चलाता था। कारोबार को लेकर पूजा जोग का विकास गर्ग से विवाद हो गया था। इसी के चलते उसने भाड़े पर श्रीगंगानगर से रणमीत सिंह उर्फ राजन और अमन को विकास की हत्या के लिए बुलाया था। दोनों ने लोहे की रॉड आदि से पीट-पीट कर उसकी हत्या कर दी।

पुलिस ने तीनों अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई एडीजे स्पेशल ईसी एक्ट राजेश पाराशर की अदालत में हुई। न्यायाधीश ने आज तीनों को उक्त सजा से दंडित किया। तीनों अभियुक्त गिरफ्तारी के बाद से ही जेल में निरूद्ध हैं। कोर्ट से उनकी जमानत नहीं हो सकी थी।

मांग मानें जाने पर ही करेंगे सफाइकर्मी काम

सफाईकर्मियों की हड़ताल से जिला अस्पताल में बढ़ी गंदगी

11 जून से काम बंद सफाई व्यवस्था हुई प्रभावित

जिला अस्पताल में हड़ताल के बाद लगे गंदगी के ढेर।

यूनिक समय, मथुरा। महर्षि दयानंद सरस्वती जिला चिकित्सालय में सफाईकर्मियों की हड़ताल का असर अब धरातल पर दिखाई देने लगा है। 11 जून से सफाईकर्मी अपनी मांगों को लेकर काम बंद करके बैठे हुए हैं। इसके चलते अस्पताल में जगह-जगह गंदगी नजर आने लगी है। वार्डों, गलियारों, शौचालयों और अस्पताल परिसर में नियमित सफाई न होने से मरीजों और उनके परिजनों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

जिला अस्पताल में रोजाना सैकड़ों मरीज इलाज के लिए आते हैं। ऐसे में साफ-सफाई की व्यवस्था बहुत जरूरी होती है, लेकिन पिछले कई दिनों से सफाई कार्य प्रभावित होने के कारण अस्पताल का माहौल भी बदलता नजर आ रहा है। अस्पताल आने वाले लोगों का कहना है कि पहले की तुलना में अब कई जगह गंदगी दिखाई दे रही है।

सफाईकर्मी पवन कुमार का कहना है कि सफाईकर्मियों को समय पर वेतन नहीं मिलता। कई-कई महीने बीत जाने के बाद भी वेतन का भुगतान नहीं हो पाता है। करीब 20 वर्षों से अस्पताल में सफाई का काम कर रहे हैं, लेकिन आज भी उन्हें लगभग 7,200 रुपये वेतन मिलता है। उनका कहना है कि इतनी कम आय में परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। सफाईकर्मियों ने बताया कि वे अपनी समस्याओं को लेकर कई बार आवाज उठा चुके हैं, लेकिन समाधान नहीं होने पर उन्हें हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा। उनका कहना है कि जब तक उनकी मांगों पर उचित निर्णय नहीं लिया जाएगा, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

वृंदावन के रेस्टोरेंट और ढाबों की जांच में उदासीनता

यूनिक समय, वृंदावन। मंदिरों की नगरी में खुले रेस्टोरेंट, ढाबों और ढकेलों पर क्या बिक रहा है। कभी किसी ने जांच पड़ताल की। कभी खाद्य विभाग की टीम ने सैंपिल भरे। नहीं तो क्यों नहीं। यह सवाल यहां के लोग अब उठा रहे हैं। उनका कहना है कि मंदिरों की नगरी में अब बड़ी संख्या में बाहर के काम करने आ रहे हैं। वह यहां आकर रेस्टोरेंट खोल कर बैठ गए हैं या फिर चाय की दुकान। कई क्षेत्रों में ढकेलों पर खाना बनाकर खिलाया जा रहा है।

हैरानी की बात तो यह है कि किसी भी पुलिस चौकी पर तैनात पुलिसकर्मी ने कभी भी बाहर से आए लोगों का बैरीफेकेशन तक नहीं किया। सीओ का कहना है कि पुलिस जांच करती रहती है। शिकायत मिलने पर और कड़ाई होगी।

माध्यमिक का खेल कैलेंडर जारी, 30 से होंगी प्रतियोगिताएं

यूनिक समय, मथुरा। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने वर्ष 2026-27 की खेल प्रतियोगिताओं का कैलेंडर जारी किया है। जिले की खेल प्रतिभाओं को निखारना और उन्हें राज्य स्तर तक पहुंचाना है। इन प्रतियोगिताओं का आयोजन 30 जून से 17 नवंबर के बीच किया जाएगा।

यह प्रतियोगिता विद्यालय स्तर से लेकर राज्य स्तर तक चलेगा। छात्र-छात्राओं को अपनी खेल प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। विभिन्न आयु वर्गों और खेल विधाओं में प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। इनमें एथलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो और वॉलीबॉल जैसे प्रमुख खेल शामिल हैं। फुटबॉल, बास्केटबॉल, बैटमिंटन, टेबल टेनिस और हॉकी भी इन प्रतियोगिताओं होगी। यह प्रतियोगिता विद्यालय, जिला, मंडल और राज्य स्तर पर किया जाएगा। जिले में प्रतियोगिताओं को लेकर तैयारियां शुरू हो गई हैं। माध्यमिक शिक्षा के खेल प्रभारी अतुल वर्मा ने बताया कि ऐसी प्रतियोगिताएं ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों की छिपी हुई प्रतिभाओं का निखार होगा।

लगातार घोटालों और गड़बड़ियों से बैंकों की साख हो रही धूमिल

लॉकर में सोना, सचेत होने से रहेगा सुरक्षित

जागरुकता से सुरक्षित रहेगा सोना और कीमती सामान

यूनिक समय, मथुरा। बैंकों में हो रहे घोटाले और गड़बड़ियां छोड़िए, अब तो लॉकर में रखा सोना ओर कीमती सामान भी सुरक्षित नहीं है। गोल्ड लोन को गिगरवी रखा सोना भी अब सुरक्षित नहीं बचा है। फीरोजाबाद की बैंक आफ इंडिया के लॉकर से ग्राहकों के गायब सोने से सुरक्षा पर प्रश्न चिन्ह खड़ा कर दिया है। सवाल उठने लगा है कि क्या अब बैंक के लॉकर में रखा गया सोना और अन्य कीमती सामान भी सुरक्षित नहीं है।

लॉकर से सोना या कीमती सामान, गोल्ड लोन के पैकेट गायब होने जैसी खबरों के बाद अब बैंक लॉकर में सोना और अन्य कीमती सामान रखने वाले ग्राहकों को अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

बैंकिंग विशेषज्ञों के अनुसार, अधिकांश लोग यह मान लेते हैं कि लॉकर में रखा सोना पूरी तरह सुरक्षित और बीमित है, जबकि वास्तविकता में ऐसा हमेशा नहीं होता।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिशा-निर्देशों के तहत बैंक केवल लॉकर की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार होते हैं, लेकिन किसी चोरी, आग, भवन ध्वस्त होने या बैंक कर्मचारियों की लापरवाही जैसी परिस्थितियों में मुआवजे की सीमा तय हो सकती है।

स्टेट बैंक के सेवानिवृत प्रबंधक आरके शर्मा सलाह देते हैं कि लॉकर में रखे सोने के आभूषणों और अन्य कीमती वस्तुओं की सूची तैयार करें। खरीद के बिल, फोटो और मूल्यांकन संबंधी दस्तावेज सुरक्षित रखें। समय-समय पर लॉकर का निरीक्षण भी करते रहें और नामांकन (नॉमिनी) की सुविधा अवश्य जोड़ें। यदि सोने का मूल्य अधिक है तो अलग से बीमा कराने पर भी विचार किया जा सकता है।

उनका कहना है कि बैंक लॉकर लेते समय अनुबंध की सभी शर्तों को ध्यानपूर्वक पढ़ना जरूरी है।

ग्राहकों की छोटी सी सतर्कता भविष्य में बड़े नुकसान से बचा सकती है। इसलिए लॉकर में सोना रखने से पहले सुरक्षा और दस्तावेजों से जुड़े सभी पहलुओं की जानकारी जरूर रखें।

लोगों की बात

विनोद अरोड़ा का कहना है कि लॉकर लेने के बाद उसमें रखे गए सामान को हर माह देखने जाते हैं, इस प्रक्रिया में कुछ समय तो लगता है, लेकिन ऐसा करके मन को तसल्ली मिल जाती है।

महेंद्र सिंह का कहना है कि बैंक का लॉकर लेने के बाद लापरवाही करना भंयकर भूल साबित होता है। इसलिए एक माह में लॉकर को जरूर देख लेते हैं। कुछ होने की संभावना नहीं होती है।

पुलिस पर जानलेवा हमला करने वाले को दस साल की कैद

यूनिक समय, मथुरा। एडीजे स्पेशल ईसीएक्ट द्वारा पुलिस पर जानलेवा हमला करने वाले अभियुक्त को दस साल का साधारण कारावास और आठ हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

अभियोजन के अनुसार, अभियुक्त शेरखां निवासी गांव विशंभरा थाना शेरगढ़ को पुलिस ने पुलिस पर मुठभेड़ के दौरान गोली चला कर जानसे मारने का प्रयास किया था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। पुलिस ने उसके खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई एडीजे स्पेशल ईसीएक्ट न्यायालय में हुई । न्यायाधीश ने गवाह की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर अभियुक्त को उक्त सजा से दंडित किया।

भारी वर्कआउट नहीं, 40 के बाद फिट रहने का असली राज हैं

यूनिक समय, नई दिल्ली। 40 की उम्र पार करते ही शरीर में कई प्राकृतिक बदलाव शुरू हो जाते हैं। खासकर महिलाओं में हडिडयों की मजबूती कम होने लगती है, मांसपेशियां धीरे–धीरे कमजोर होती हैं और पहले जैसी फुर्ती भी कम महसूस होती है। ऐसे में दिनभर थकान, कमजोरी और काम करने का मन न होना आम बात है। हालांकि इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं कि फिट रहना मुश्किल हो गया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस उम्र में भारी–भरकम वर्कआउट करने के बजाय शरीर के अनुसार सही और हल्की एक्सरसाइज करना ज्यादा फायदेमंद होता है। आशा आयुर्वेद की

40 पार करते ही शरीर देता है ये संकेत

डायरेक्टर डॉ. चंचल शर्माके अनुसार, 40 वर्ष के बाद महिलाओं को ऐसे व्यायाम अपनाने चाहिए जो शरीर पर ज्यादा दबाव न डालें, लेकिन मांसपेशियों, हडिडयो और दिल की सेहत को मजबूत बनाए रखें।

नियमित रूप से की गई हल्की एक्सरसाइज शरीर में ऊर्जा बनाए रखने के साथ कई बीमारियों के खतरे को भी कम करती है। फिटनेस की शुरुआत तेज वॉक से की जा सकती है। रोजाना 15 मिनट पैदल चलना शुरू करें और धीरे–धीरे इसे 45 मिनट तक बढ़ाएं। यदि चलते समय सांस ज्यादा फूलने लगे तो कुछ देर आराम करें और फिर दोबारा शुरुआत करें। इसके अलावा हल्के डंबल के साथ स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी मांसपेशियों को मजबूत बनाने का अच्छा तरीका है।

ग्लूट ब्रिज, लंजेज, बेंट ओवर रो और हल्के डेडलिफ्ट जैसे व्यायाम घर या जिम में आसानी से किए जा सकते हैं। अगर आपको पानी पसंद है तो स्विमिंग पूरे शरीर के लिए बेहतरीन एक्सरसाइज है। इससे शरीर की चर्बी कम होती है, ब्लड प्रेशर नियंत्रित रहता है और शरीर की ताकत बढ़ती है। वहीं डांस पसंद करने वालों के लिए जुम्बा एक मजेदार विकल्प है, जो कैलोरी बर्न करने के साथ शरीर को एक्टिव बनाए रखता है। इसके अलावा कार्डियो एक्सरसाइज, साइकिलिंग, हल्की रनिंग और रोजाना सीढ़ियां चढ़ने–उतरने जैसी आदतें भी दिल, फेफड़ों और पैरों की मांसपेशियों को मजबूत बनाती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि इन सभी एक्सरसाइज का पूरा फायदा तभी मिलता है जब शरीर को पर्याप्त आराम और 7 से 8 घंटे की अच्छी नींद भी मिले। सही व्यायाम, संतुलित खानपान और नियमित दिनचर्या अपनाकर 40 की उम्र के बाद भी लंबे समय तक स्वस्थ, ऊर्जावान और सक्रिय जीवन जिया जा सकता है।

गलत तरीके से खाए ड्राई फ्रूट्स तो पड़ सकते भारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। ड्राई फ्रूट्स पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं और इन्हें सुपरफूड भी माना जाता है। इनमें प्रोटीन, हेल्दी फैट, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं। हालांकि, आयुर्वेद के अनुसार हर मौसम में इन्हें एक ही तरीके से खाना सही नहीं माना जाता। खासकर गर्मियों में सूखे मेवों का गलत तरीके से सेवन करने पर शरीर में गर्मी बढ़ सकती है, जिससे पेट में जलन, गैस, अपच, मुंहासे और पाचन संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार गर्मियों में ड्राई फ्रूट्स को सूखा खाने के बजाय रातभर पानी में भिगोकर खाना ज्यादा फायदेमंद रहता है। ऐसा करने से इनमें मौजूद फाइटिक एसिड कम हो जाता है, जिससे पोषक तत्व शरीर में आसानी से अवशोषित हो जाते हैं और इनकी तासीर भी संतुलित रहती है। विशेषज्ञ रोजाना 20 से 30 ग्राम तक ही ड्राई फ्रूट्स खाने की सलाह देते हैं। कुछ ड्राई फ्रूट्स की तासीर अधिक गर्म मानी जाती है। छुआरा शरीर में गर्मी बढ़ा सकता है, इसलिए गर्मियों में इसे सीमित मात्रा में ही खाएं। अखरोट ओमेगा–3 फैटी एसिड से भरपूर होता है, लेकिन इसकी तासीर भी गर्म मानी जाती है। बादाम को बिना भिगोए खाने से कुछ लोगों को पेट में जलन या त्वचा संबंधी समस्याएं हो सकती हैं, इसलिए इसे रातभर भिगोकर सुबह छिलका उतारकर खाना बेहतर रहता है। पिस्ता भी गर्म तासीर वाला ड्राई फ्रूट है, इसलिए इसका सेवन सीमित मात्रा में करना चाहिए। वहीं, किशमिश और मखाना गर्मियों के लिए बेहतर विकल्प माने जाते हैं। किशमिश शरीर को ऊर्जा देने के साथ ठंडक भी पहुंचाती है, जबकि मखाना प्राकृतिक रूप से ठंडी तासीर वाला होता है। इसी तरह काजू और खजूर को भी भिगोकर खाने से उनका प्रभाव संतुलित हो जाता है। अगर आप रोजाना ड्राई फ्रूट्स खाते हैं, तो मौसम के अनुसार उनका सेवन करने का तरीका बदलना जरूरी है। सही मात्रा और सही तरीके से खाए गए ड्राई फ्रूट्स ही शरीर को पूरा पोषण और स्वास्थ्य लाभ पहुंचाते हैं।

10 मिनट में बनाएं ऐसा टेस्टी नाश्ता

यूनिक समय, नई दिल्ली। ब्रेड से तैयार करें स्वादिष्ट ब्रेड टिक्की, गर्म और ठंडी दोनों तरह लगेगी लाजवाब अगर आप कम समय में स्वादिष्ट और पेट भरने वाला नाश्ता बनाना चाहते हैं, तो ब्रेड टिक्की जरूर ट्राई करें। यह रेसिपी सिर्फ 10 मिनट में तैयार हो जाती है और बच्चों से लेकर बड़ों तक सभी को पसंद आती है। सबसे पहले 5–7 ब्रेड स्लाइस को तोड़कर उसमें 2 चम्मच दही और कुटी काली मिर्च मिलाकर डो तैयार करें। दूसरी ओर तेल में जीरा, लहसुन, अदरक, हरी मिर्च और हरी मटर को मसालों के साथ पकाकर पीस लें और स्टफिंग बना लें। अब ब्रेड के डो में थोड़ा मक्खन मिलाकर छोटी लोइयां बनाएं, उनमें स्टफिंग भरें और टिक्की का आकार दें। हल्के तेल में धीमी आंच पर सुनहरा होने तक सेंक लें। इसे टमाटर सॉस या हरी चटनी के साथ परोसें। खास बात यह है कि यह ब्रेड टिक्की गर्म ही नहीं, ठंडी होने पर भी उतनी ही स्वादिष्ट लगती है, इसलिए बच्चों के टिफिन के लिए भी यह बेहतरीन विकल्प है।

परिवार और दोस्तों संग बिताएं यादगार पल

यूनिक समय, नई दिल्ली। भागदौड़ भरी जिंदगी से कुछ पल सुकून के निकालना चाहते हैं, तो पिकनिक से बेहतर विकल्प शायद ही कोई हो। अगर आप दिल्ली में रहते हैं या राजधानी घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यहां कई ऐसी खूबसूरत जगहें हैं जहां परिवार और दोस्तों के साथ यादगार समय बिताया जा सकता है। हर साल 18 जून को मनाए जाने वाले इंटरनेशनल पिकनिक डे के मौके पर आइए जानते हैं दिल्ली के उन बेहतरीन पिकनिक स्पॉट्स के बारे में, जहां प्रकृति, इतिहास और सुकून का अनोखा संगम देखने को मिलता है। अगर आपको ऐतिहासिक जगहों पर समय बिताना पसंद है, तो हुमायूं का मकबरा बेहतरीन विकल्प है। यूनेस्को विश्व धरोहर सूची में शामिल यह स्मारक अपने विशाल हरे–भरे बगीचों और शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां बैठकर परिवार के साथ पिकनिक का आनंद लेना किसी यादगार अनुभव से कम नहीं होगा। यहां प्रवेश शुल्क करीब 40 रुपये है, जबकि 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए प्रवेश निःशुल्क है। हुमायूं के मकबरे के पास स्थित सुंदर नर्सरी भी प्रकृति प्रेमियों की पसंदीदा जगह है। करीब 90 एकड़ में फैला यह हेरिटेज पार्क रंग–बिरंगे फूलों, ऐतिहासिक इमारतों और खूबसूरत झील के कारण बेहद आकर्षक लगता है। यहां का शांत वातावरण मन को सुकून देता है और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए भी यह शानदार जगह है। अगर आप बिना किसी प्रवेश शुल्क के पिकनिक का आनंद लेना चाहते हैं, तो लोधी गार्डन आपके लिए आदर्श स्थान है। सुबह 6 बजे से शाम 8 बजे तक खुला रहने वाला यह गार्डन हरियाली, ऐतिहासिक मकबरों और पक्षियों की चहचहाहट से भरपूर है। यहां परिवार और दोस्तों के साथ घंटों आराम से समय बिताया जा सकता है। दिल्ली का प्रतिष्ठित इंडिया गेट भी पिकनिक के लिए सबसे लोकप्रिय स्थानों में गिना जाता है। इसके विशाल लॉन, खुला वातावरण और ऐतिहासिक महत्व इसे हर उम्र के लोगों की पसंद बनाते हैं। वहीं, अगर आप प्रकृति और आधुनिक लाइफस्टाइल दोनों का आनंद लेना चाहते हैं, तो हौज खास बेहतरीन विकल्प है। यहां स्थित डियर पार्क में हिरण, मोर और खरगोश देखने का मौका मिलता है, जबकि आसपास मौजूद कैफे और रेस्टोरेंट आपकी आउटिंग को और भी खास बना देते हैं। अगर इस इंटरनेशनल पिकनिक डे पर आप अपनों के साथ यादगार पल बिताना चाहते हैं, तो दिल्ली की ये खूबसूरत जगहें आपके लिए एक शानदार विकल्प साबित हो सकती हैं।

दुनिया के पहले ट्रिलेनियर के प्रेरक विचार

एलन मस्क की ये बातें बदल सकती हैं आपकी सोच

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुनिया के सबसे प्रभावशाली उद्योगपतियों में शामिल एलन मस्क अपनी अनोखी सोच, जोखिम उठाने की क्षमता और भविष्य की तकनीक को हकीकत में बदलने के लिए जाने जाते हैं। स्पेसएक्स, टेस्ला और अन्य कंपनियों के जरिए उन्होंने दुनिया को कई बड़े इनोवेशन दिए हैं। हाल ही में उनकी कुल संपत्ति 1.3 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंचने के बाद वह इतिहास के पहले ट्रिलेनियर बन गए। लेकिन उनकी पहचान सिर्फ एक सफल बिजनेसमैन तक सीमित नहीं है। उनके विचार और कार्यशैली आज लाखों युवाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने की प्रेरणा देते हैं। एलन मस्क का मानना है कि सफलता की शुरुआत सही सोच और सही सवालों से होती है। उनके अनुसार, जीवन में हमेशा सही समय पर सही सवाल पूछने चाहिए, क्योंकि यही सवाल आपको बेहतर निर्णय लेने की दिशा दिखाते हैं। वे यह भी कहते हैं कि उन्होंने कभी हार मानने के बारे में नहीं

सोचा। उनका विश्वास है कि जब तक व्यक्ति कोशिश करता रहता है, तब तक असफलता उसे रोक नहीं सकती। मस्क का एक बेहद चर्चित विचार है कि अगर आप सप्ताह में 80 से 100 घंटे काम करते हैं, जबकि बाकी लोग 40 घंटे काम कर रहे हैं, तो आप अपने लक्ष्य तक उनसे कहीं पहले पहुंच सकते हैं। उनका मानना है कि असाधारण सफलता पाने के लिए सामान्य मेहनत काफी नहीं होती। यदि आप अपने सपनों को सच करना चाहते हैं, तो आपको अपनी पूरी क्षमता के साथ काम करना होगा। वह यह भी कहते हैं कि अगर कोई आपकी मदद नहीं कर रहा है, तब भी अपने लक्ष्य से पीछे नहीं हटना चाहिए। कई बार अकेले शुरू किया गया सफर ही सबसे बड़ी सफलता की कहानी बन जाता है। उनके मुताबिक हर बड़ी उपलब्धि की शुरुआत शून्य से होती है, इसलिए शुरुआती कठिनाइयों से घबराने के बजाय उन्हें सीखने का अवसर समझना चाहिए। एलन मस्क असफलता को भी सफलता का हिस्सा मानते हैं। उनका कहना है कि यदि आप कभी असफल नहीं हुए, तो इसका मतलब है कि आपने कुछ नया करने की कोशिश ही नहीं की। हर असफलता इंसान को नई सीख देती है और भविष्य में बेहतर फैसले लेने के लिए तैयार करती है। यही सोच इनोवेशन और नई खोजों की असली ताकत बनती है। मस्क का एक और महत्वपूर्ण संदेश है कि हमेशा यह सोचते रहें कि किसी काम को पहले से कैसे बेहतर कनाया जा सकता है। लगातार सुधार करने की आदत ही व्यक्ति को भीड़ से अलग पहचान दिलाती है। उनका मानना है कि साधारण लोग भी असाधारण बनने का फैसला कर सकते हैं, बशर्ते वे सीखना, मेहनत करना और कभी हार न मानना जारी रखें। एलन मस्क के ये प्रेरक विचार सिर्फ कारोबार या तकनीक की दुनिया तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जीवन के हर क्षेत्र में सफलता पाने वालों के लिए उपयोगी हैं। अगर आप बड़े लक्ष्य तय करते हैं, मेहनत से पीछे नहीं हटते, असफलताओं से सीखते हैं और खुद पर विश्वास बनाए रखते हैं, तो कोई भी मंजिल आपके लिए दूर नहीं रहेगी।

घर पर बनाएं होटल स्टाइल मास्टर ग्रेवी

यूनिक समय, नई दिल्ली। क्या आपने कभी सोचा है कि होटल और रेस्टोरेंट में ऑर्डर देने के कुछ ही मिनटों में स्वादिष्ट सब्जी कैसे तैयार हो जाती है? इसका सबसे बड़ा राज है मास्टर ग्रेवी। लगभग हर प्रोफेशनल शेफ पहले से यह ग्रेवी तैयार करके रखता है और ऑर्डर मिलने पर इसमें पनीर, मटर, मशरूम, मिक्स वेज या कोफ्ता मिलाकर तुरंत नई डिश तैयार कर देता है। यही वजह है कि होटल का खाना कम समय में बनकर तैयार हो जाता है। मास्टर ग्रेवी बनाने के लिए सबसे पहले तेल में कटे हुए प्याज, टमाटर, काजू, हरी मिर्च, साबुत धनिया, जीरा और अदरक–लहसुन को अच्छी तरह पकाया जाता है। इसके बाद इस मिश्रण को ठंडा करके बारीक पीस लिया जाता है। फिर एक अलग पैन में तेजपत्ता, दालचीनी, लौंग, इलायची और काली मिर्च का तड़का लगाकर तैयार मसाला और पिसी हुई ग्रेवी को दोबारा तब तक भुना जाता है, जब तक वह अच्छी तरह तेल न छोड़ दे। इसी प्रक्रिया से ग्रेवी का स्वाद और खुशबू कई गुना बढ़ जाती है। ग्रेवी तैयार होने के बाद इसे पूरी तरह ठंडा करके एयरटाइट कंटेनर में भरकर फ्रिज में 7 से 10 दिन तक सुरक्षित रखा जा सकता है। जब भी सब्जी बनानी हो, बस जरूरत के अनुसार ग्रेवी निकालें और उसमें अपनी पसंद की सब्जी, पनीर या कोफ्ता डालकर कुछ मिनट पकाएं। इस एक ग्रेवी से मटर पनीर, कड़ाही पनीर, शाही पनीर, मलाई कोफ्ता, मिक्स वेज, मशरूम मसाला समेत 50 से ज्यादा तरह की सब्जियां आसानी से बनाई जा सकती हैं। अगर आप कम समय में स्वादिष्ट और होटल जैसा खाना बनाना चाहते हैं, तो यह मास्टर ग्रेवी रेसिपी आपकी रसोई का सबसे बड़ा सीक्रेट बन सकती है।

सुविचार

ख़ामोशी भी बहुत कुछ कहती है, बस सुनने वाला चाहिए।

कल का पंचांग

तिथि	पंचमी	06:59-05:00 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	आश्लेषा	11:32-10:06 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:28 AM	चन्द्रोदय	09:46 AM
सूर्यास्त		7:12 PM	चंद्रास्त	11:04 PM
सूर्य राशि		मिथुन राशि	चंद्र	सिंह राशि
शुभ मुहूर्त		12:20PM -02:03 PM	ब्रहम् मुहूर्त	03:51-04:39
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		02:03 PM: 03:46 PM	वार	शुक्रवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: आत्मविश्वास बढ़ेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी। परिवार का सहयोग रहेगा। यात्रा लाभदायक होगी। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रुका धन मिलने के संकेत हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

मिथुन: नए अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी और व्यवसाय में प्रगति संभव है। महत्वपूर्ण निर्णय सोच-समझकर लें।

कर्क: पारिवारिक सुख बढ़ेगा। कार्यों में सफलता मिलेगी। धार्मिक गतिविधियों में रुचि बढ़ेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

सिंह: पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अधिकारियों का सहयोग मिलेगा। निवेश से लाभ के योग बनेंगे।

कन्या: मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलेगा। छात्रों के लिए समय अनुकूल है। यात्रा से लाभ संभव है।

तुला: आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। परिवार के साथ समय बिताएं। नई योजनाएं भविष्य में लाभ देंगी।

वृश्चिक: आत्मविश्वास और ऊर्जा बढ़ेगी। रुके हुए कार्य पूरे होंगे। वैवाहिक जीवन में मधुरता बनी रहेगी।

धनु: करियर में उन्नति के अवसर मिलेंगे। वरिष्ठों का सहयोग प्राप्त होगा। स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा।

मकर: निवेश और व्यापार में लाभ संभव है। परिवार में खुशियों का माहौल रहेगा। विवादों से दूर रहें।

कुंभ: नए संपर्क लाभकारी साबित होंगे। आय के स्रोत बढ़ सकते हैं। धैर्य और संयम बनाए रखें।

मीन: धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति सुधरेगी। परिवार के साथ सुखद समय व्यतीत होगा।

पाट नारायण मंदिर में 21 क्विंटल का गरुड़ घंटा

दो किलोमीटर तक गूंजती ध्वनि

यूनिक समय, मथुरा। राजस्थान के सिरोही जिले के गिरवर गांव स्थित पाट नारायण मंदिर अपने विशाल गरुड़ घंट के कारण देशभर में विशेष पहचान बना रहा है।

करीब 21 क्विंटल वजनी यह अष्टधातु का घंटा मंदिर की भव्यता और धार्मिक महत्व को और बढ़ाता है। इसकी गूंज वर्तमान में लगभग दो किलोमीटर दूर तक सुनाई देती है, जबकि मंदिर प्रशासन का दावा है कि शेष फिनिशिंग कार्य पूरा होने के बाद इसकी ध्वनि करीब 10 किलोमीटर तक पहुंच सकेगी। दो मंजिला ऊंचाई पर स्थापित यह गरुड़ घंट श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। मंदिर में आने वाले भक्त दर्शन के साथ इस विशाल घंटे को देखने और बजाने के लिए भी उत्साहित रहते हैं। बताया जाता है कि यह देश के सबसे बड़े मंदिर घंटों में शामिल है।

इससे बड़ा घंटा केवल मध्य प्रदेश के मंदसौर स्थित पशुपतिनाथ मंदिर में लगा है, जिसका वजन 37 क्विंटल बताया जाता है।

गरुड़ घंट के अंदर भगवान विष्णु के वाहन गरुड़ का प्रतीक चिन्ह अंकित है। मंदिर के संतों का मानना है कि मंदिरों में बजने वाली घंटियां वातावरण की नकारात्मकता को दूर कर सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती हैं। इसी उद्देश्य से इस विशाल घंटे की स्थापना की गई थी। पाट नारायण मंदिर का इतिहास भी अत्यंत प्राचीन और गौरवशाली माना जाता है। स्कंद पुराण में इसका उल्लेख 'नारायण हृदय तीर्थ' के रूप में मिलता है। मान्यता है कि मंदिर का निर्माण चक्रवर्ती राजा अंबरीष की पटरानी ने करवाया था। यहां भगवान विष्णु की एकाकी प्रतिमा विराजमान है और यह स्थान लंबे समय से संतों की तपोस्थली रहा है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

मुगल काल में क्षतिग्रस्त होने के बाद मंदिर का पुनर्निर्माण कराया गया। वर्तमान में यहां गौशाला और आयुर्वेद औषधालय भी संचालित हैं। धार्मिक आस्था, ऐतिहासिक महत्व और विशाल गरुड़ घंट की अनूठी पहचान के कारण यह मंदिर दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

मोबाइल से चालीसा पढ़ना गलत नहीं, भाव जरूरी

यूनिक समय, मथुरा। आज के डिजिटल दौर में पूजा-पाठ का तरीका भी बदल रहा है। अब हनुमान चालीसा, शिव चालीसा या अन्य धार्मिक पाठ मोबाइल फोन पर आसानी से उपलब्ध हैं। ऐसे में कई लोगों के मन में सवाल उठता है कि क्या मोबाइल देखकर चालीसा पढ़ना उचित है? धार्मिक जानकारों के अनुसार पूजा का सबसे महत्वपूर्ण आधार श्रद्धा, विश्वास और एकाग्रता है। यदि कोई व्यक्ति पूरे मन से भगवान का स्मरण करते हुए मोबाइल में देखकर पाठ करता है, तो इसे गलत नहीं माना जाता। मोबाइल केवल एक माध्यम है, भक्ति का स्थान नहीं ले सकता। हालांकि विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि पाठ के दौरान मोबाइल को साइलेंट या डू-नॉट-डिस्टर्ब मोड पर रखें, ताकि कॉल और संदेशों से ध्यान भंग न हो। पूजा करते समय सोशल मीडिया या अन्य ऐप्स के उपयोग से भी बचना चाहिए। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पुस्तक और मोबाइल में अंतर नहीं, बल्कि भाव और एकाग्रता का महत्व है। यदि मन पूरी तरह भक्ति में लगा है, तो मोबाइल पर पढ़ी गई चालीसा भी उतनी ही फलदायी मानी जाती है जितनी पुस्तक से की गई पूजा।

पीला तिलक लगाएं, गुरु दोष से पाएं राहत

गुरुवार को करें यह सरल उपाय

चंदन-केसर से बनता है तिलक

यूनिक समय, मथुरा। ज्योतिष शास्त्र में गुरुवार का दिन भगवान विष्णु और देवगुरु बृहस्पति को समर्पित माना गया है। मान्यता है कि जिन लोगों की कुंडली में गुरु ग्रह कमजोर हो या गुरु दोष हो, उन्हें इस दिन पीले रंग का तिलक लगाना चाहिए। इससे गुरु ग्रह को बल मिलता है और जीवन में सकारात्मक परिणाम प्राप्त होते हैं। पीला तिलक घर पर आसानी से तैयार किया जा सकता है। इसके लिए केसर, चंदन और थोड़ा-सा पवित्र जल या गुलाब जल लिया जाता है। सबसे पहले जल में कुछ केसर के रेशे डालकर कुछ मिनट के लिए छोड़ दें। जब पानी गाढ़ा पीला या केसरिया रंग का हो जाए, तब उसमें सफेद चंदन पाउडर मिलाकर गाढ़ा लेप तैयार करें। चंदन उपलब्ध न होने पर हल्दी का भी उपयोग किया जा सकता है। तिलक लगाने से पहले पूजा कर भगवान विष्णु और देवगुरु बृहस्पति का स्मरण करना शुभ माना जाता है। तिलक लगाते समय "ॐ चन्दनस्य महत्पुण्यं पवित्रं पापनाशनम्" मंत्र का जाप करने की परंपरा है। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार तिलक हमेशा दाहिने हाथ की अनामिका अंगुली यानी रिंग फिंगर से लगाना चाहिए। तिलक लगाते समय व्यक्ति का मुख पूर्व या उत्तर दिशा की ओर होना शुभ माना जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पीला तिलक केवल आध्यात्मिक प्रतीक ही नहीं, बल्कि गुरु ग्रह की कृपा प्राप्त करने का एक सरल उपाय भी माना जाता है। हालांकि ज्योतिषीय उपाय आस्था और मान्यता पर आधारित होते हैं, इन्हें व्यक्ति अपनी श्रद्धा के अनुसार अपना सकता है।

पूर्वजों की तस्वीर सही दिशा में लगाने से मिलता है सम्मान

यूनिक समय, मथुरा। गरुड़ पुराण और वास्तु मान्यताओं के अनुसार घर में पूर्वजों की तस्वीर लगाते समय कुछ विशेष बातों का ध्यान रखना चाहिए। मान्यता है कि सही स्थान पर लगाई गई तस्वीरें परिवार में सकारात्मक भाव और पूर्वजों के प्रति सम्मान को मजबूत करती हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पूर्वजों की तस्वीर लगाने के लिए दक्षिण या पश्चिम दिशा सबसे उपयुक्त मानी जाती है। तस्वीर इस प्रकार लगाई जानी चाहिए कि पूर्वजों का मुख उत्तर या पूर्व दिशा की ओर रहे। इसे शुभ और संतुलित माना जाता है। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार पूजा घर में देवी-देवताओं के साथ पूर्वजों की तस्वीर नहीं लगानी चाहिए। इसी प्रकार रसोई, सीढ़ियों के पास, घर के मध्य भाग यानी ब्रह्मस्थान और मुख्य द्वार के ठीक सामने भी तस्वीर लगाने से बचने की सलाह दी जाती है। माना जाता है कि इन स्थानों पर तस्वीर लगाने से अपेक्षित सम्मान नहीं मिल पाता। एक अन्य मान्यता यह भी है कि दिवंगत परिजनों की तस्वीरों को जीवित परिवार के सदस्यों की तस्वीरों के साथ नहीं रखना चाहिए। पूर्वजों की तस्वीर के लिए अलग और स्वच्छ स्थान निर्धारित करना बेहतर माना जाता है। धार्मिक परंपराओं के अनुसार तस्वीर हमेशा साफ-सुथरी, व्यवस्थित और सम्मानजनक स्थान पर होनी चाहिए। पूर्वजों की मुस्कुराती या शांत मुद्रा वाली तस्वीर लगाना शुभ माना जाता है।

गलत स्थान से बचने की सलाह

सफलता चाहिए तो घर से निकलते समय अपनाएं ये उपाय

यूनिक समय, मथुरा। किसी महत्वपूर्ण कार्य, नौकरी के इंटरव्यू, परीक्षा या यात्रा के लिए घर से निकलते समय लोग शुभ संकेत और उपायों का सहारा लेते हैं। ज्योतिष शास्त्र में भी ऐसे कई उपाय बताए गए हैं, जिन्हें अपनाने से दिन शुभ माना जाता है और कार्यों में सफलता मिलने की संभावना बढ़ जाती है। मान्यता है कि ये उपाय सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करते हैं और ग्रहों के प्रतिकूल प्रभाव को कम करने में सहायक होते हैं।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार, घर से बाहर निकलते समय सबसे पहले दाहिना पैर बाहर रखना शुभ माना जाता है। धार्मिक परंपराओं में दाहिने पक्ष को मंगल और शुभता का प्रतीक माना गया है। किसी महत्वपूर्ण कार्य के लिए जाते समय ऐसा करने से सफलता की संभावना बढ़ती है।

माता-पिता या घर के बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद लेना भी अत्यंत लाभकारी माना गया है। घर से निकलने से पहले उनके चरण स्पर्श करने से सकारात्मक ऊर्जा और शुभकामनाएं प्राप्त होती हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इससे सूर्य और गुरु ग्रह मजबूत होते हैं, जिससे करियर, शिक्षा और पारिवारिक जीवन में अनुकूल परिणाम मिलते हैं। दही-चीनी का सेवन करने की परंपरा भी लंबे समय से चली आ रही है। परीक्षा, इंटरव्यू या किसी महत्वपूर्ण कार्य पर जाने से पहले दही-चीनी खाना शुभ माना जाता है। यह मन को शांत रखने और आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रतीक माना जाता है। इसके अलावा गुड़ खाकर पानी पीकर निकलना भी शुभ माना गया है। मान्यता है कि इससे यात्रा सुखद रहती है और कार्यों में आने वाली बाधाएं कम होती हैं।

यात्रा और कार्य होंगे शुभ

बड़ों का आशीर्वाद दिलाएगा लाभ

घर से निकलते समय भगवान गणेश का स्मरण करना भी विशेष फलदायी माना गया है। पूजा स्थल में गणेश जी के दर्शन कर 'ॐ गं गणपतये नमो नमः' मंत्र का जाप करने से विघ्न-बाधाएं दूर होती हैं और कार्य सिद्धि का मार्ग प्रशस्त होता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इन उपायों का सबसे बड़ा लाभ आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के रूप में मिलता है। जब व्यक्ति शुभ भावनाओं और विश्वास के साथ घर से निकलता है तो उसके कार्यों में सफलता की संभावना स्वाभाविक रूप से बढ़ जाती है। इसलिए किसी महत्वपूर्ण कार्य से पहले इन सरल उपायों में से कोई एक अपनाया जा सकता है।

सम्पादकीय

खुली केबिलों का करंट सड़कों पर मरती गौमाताएं

गोविंद नगर में एक गाय की करंट लगने से हुई मौत केवल एक दुर्घटना नहीं है, बल्कि यह हमारी व्यवस्था की गंभीर लापरवाही का दर्दनाक उदाहरण है। सड़क पर पड़ी खुली विद्युत केबिल ने एक बेजुबान जीव की जान ले ली। यह घटना उन अनगिनत खतरों की ओर ध्यान दिलाती है, जो शहरों और कस्बों की सड़कों पर हर दिन मौजूद रहते हैं, लेकिन तब तक नजरअंदाज किए जाते हैं जब तक कोई हादसा न हो जाए।

गाय भारतीय समाज में केवल एक पशु नहीं, बल्कि आस्था, संवेदना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा मानी जाती है। उसके संरक्षण और सम्मान की बातें अक्सर मंचों से सुनाई देती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर हालात कुछ और ही कहानी कहते हैं। यदि सड़कों पर खुले बिजली के तार और केबिलें मौत का जाल बनी रहें, तो संरक्षण के दावे खोखले ही प्रतीत होंगे।

पवन गौतम
संपादक

सबसे चिंताजनक बात यह है कि ऐसे हादसे नए नहीं हैं। कई स्थानों पर बरसात के मौसम में खुले तारों, टूटे विद्युत खंभों और क्षतिग्रस्त केबिलों से करंट फैलने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। इनकी चपेट में केवल पशु ही नहीं, बल्कि बच्चे, बुजुर्ग और राहगीर भी आ सकते हैं। इसके बावजूद संबंधित विभाग अक्सर हादसे के बाद सक्रिय दिखाई देते हैं, जबकि उनकी जिम्मेदारी पहले से सुरक्षा सुनिश्चित करने की होती है। यह प्रश्न भी उठता है कि यदि किसी क्षेत्र में खुली केबिल लंबे समय से पड़ी थी, तो उसकी निगरानी किसकी जिम्मेदारी थी? क्या नियमित निरीक्षण नहीं किया जाता? क्या नागरिकों की शिकायतों पर समय रहते कार्रवाई नहीं होती? ऐसे सवालों के जवाब तलाशना आवश्यक है, क्योंकि हर हादसे के पीछे किसी न किसी स्तर की चूक अवश्य होती है।

स्कैन करें

संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

गोविंद नगर की यह घटना चेतावनी है कि अब केवल संवेदना व्यक्त करने से काम नहीं चलेगा। बिजली विभाग, स्थानीय प्रशासन को संयुक्त अभियान चलाकर सभी खुले तारों और केबिलों की जांच करनी चाहिए। साथ ही दोषी अधिकारियों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए।

एक बेजुबान गाय की मौत हमें यह याद दिलाती है कि विकास केवल नई सुविधाएं खड़ी करने का नाम नहीं है, बल्कि नागरिकों और पशुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही आवश्यक है। यदि इस घटना से सबक नहीं लिया गया, तो अगला शिकार कोई इंसान भी हो सकता है।

नजरिया

बीमारी नहीं, खर्च बन रहा सबसे बड़ा रोग

बोध प्रकाश सगुणी

भारत आज दुनिया की तेजी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। देश वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। आधुनिक राजमार्ग, डिजिटल क्रांति, अंतरिक्ष विज्ञान में उपलब्धियां और बढ़ती आर्थिक शक्ति भारत की नई पहचान बन रहे हैं। लेकिन इन तमाम उपलब्धियों के बीच एक ऐसा प्रश्न है जो बार-बार हमारे सामने खड़ा हो जाता है-क्या वह राष्ट्र वास्तव में विकसित कहलाएगा, जहां एक आम नागरिक बीमारी के कारण आर्थिक संकट में फंस जाए ? जहां इलाज का खर्च परिवार की वर्षों की बचत को खत्म कर दे और जहां स्वास्थ्य सेवाएं अधिकार के बजाय आर्थिक क्षमता पर निर्भर हों?

आज देश में स्वास्थ्य सेवाओं की बढ़ती लागत एक बड़ी सामाजिक और आर्थिक चुनौती बन चुकी है। महंगी दवाइयां, निजी अस्पतालों की ऊंची फीस, महंगे परीक्षण और इलाज के बढ़ते खर्च ने आम आदमी की चिंताओं को कई गुना बढ़ा दिया है। एक समय था जब लोग बीमारी से डरते थे, लेकिन अब बीमारी के साथ-साथ उसके इलाज का खर्च भी लोगों को भयभीत करने लगा है। यही कारण है कि स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़ी हर मूल्यवृद्धि करोड़ों लोगों के जीवन को सीधे प्रभावित करती है।

हाल ही में कुछ आवश्यक और जीवनरक्षक दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी ने इस चिंता को और गहरा कर दिया है। कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों में उपयोग होने वाली दवाओं, बच्चों के टीकों तथा अन्य जरूरी औषधियों की कीमतों में वृद्धि ने लाखों परिवारों के सामने नई मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। यह केवल आर्थिक विषय नहीं है, बल्कि सामाजिक न्याय और मानवीय संवेदनाओं से जुड़ा प्रश्न भी है। जब किसी व्यक्ति की जीवनरक्षा दवाओं पर निर्भर हो और वही दवाएं उसकी पहुंच से दूर होती जाएं, तब यह स्थिति केवल बाजार की नहीं बल्कि समाज की भी चिंता बन जाती है। भारत में बड़ी संख्या में लोग आज भी अपने स्वास्थ्य संबंधी खर्च स्वयं वहन करते हैं। किसी गंभीर बीमारी का इलाज कई परिवारों के लिए आर्थिक आपदा साबित होता है। कैंसर, हृदय रोग, किडनी की बीमारी या अन्य जटिल रोगों का उपचार लाखों रुपये तक पहुंच जाता है। मध्यम वर्ग के लिए यह बोझ असहनीय हो सकता है, जबकि गरीब परिवारों के लिए यह लगभग असंभव स्थिति पैदा कर देता है। कई बार लोग इलाज के लिए जमीन बेचने, गहने गिरवी रखने या भारी कर्ज लेने को मजबूर हो जाते हैं। यह विडंबना ही है कि जिस देश में स्वास्थ्य को मूलभूत आवश्यकता माना जाता है, वहां लाखों लोग केवल आर्थिक कारणों से उचित इलाज नहीं करा पाते। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित अनेक अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं बार-बार इस बात पर जोर देती रही हैं कि स्वास्थ्य सेवाओं तक समान पहुंच किसी भी आधुनिक समाज की पहचान होती है। लेकिन भारत में

आज भी आर्थिक स्थिति स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता तय करने में बड़ी भूमिका निभाती है। स्वास्थ्य और शिक्षा किसी भी राष्ट्र की प्रगति के दो मजबूत स्तंभ होते हैं। दुर्भाग्य से इन दोनों क्षेत्रों में व्यवसायीकरण का प्रभाव लगातार बढ़ा है। निजी अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों का विस्तार हुआ है, जो आधुनिक सुविधाएं तो उपलब्ध कराते हैं, लेकिन उनकी लागत आम नागरिक की पहुंच से बाहर होती जा रही है। कई अस्पतालों में उपचार का खर्च इतना अधिक होता है कि मरीज और उसके परिवार को आर्थिक रूप से लंबे समय तक संघर्ष करना पड़ता है। कई विशेषज्ञ मानते हैं कि चिकित्सा सेवा धीरे-धीरे सेवा के बजाय उद्योग का स्वरूप ग्रहण कर रही है। अस्पताल स्वास्थ्य केंद्र कम और व्यावसायिक संस्थान अधिक दिखाई देने लगे हैं। रोगी को कई बार मरीज के बजाय ग्राहक की तरह देखा जाता है। महंगे पैकेज, अतिरिक्त परीक्षण और बढ़ती फीस स्वास्थ्य क्षेत्र की बदलती तस्वीर को दर्शाते हैं। हालांकि निजी क्षेत्र की भूमिका से इंकार नहीं किया जा सकता, लेकिन यह भी आवश्यक है कि चिकित्सा सेवा का मूल उद्देश्य मानव जीवन की रक्षा और जनकल्याण बना रहे। दवाओं की कीमतों में बढ़ोतरी के पीछे उत्पादन लागत बढ़ने का तर्क दिया जाता है। कच्चे माल की कीमत, परिवहन खर्च, ऊर्जा लागत और अन्य आर्थिक कारणों का असर दवा उद्योग पर भी पड़ता है। यह सही है कि किसी भी उद्योग को टिकाऊ बनाए रखने के लिए उसे पयर्प्त लाभ मिलना चाहिए। यदि कंपनियां नुकसान में काम करेंगी तो उत्पादन प्रभावित हो सकता है और दवाओं की उपलब्धता पर भी असर पड़ सकता है। लेकिन जीवनरक्षक दवाओं के मामले में केवल बाजार के नियम पर्याप्त नहीं हो सकते। यहां सामाजिक जिम्मेदारी और मानवीय दृष्टिकोण को भी महत्व देना आवश्यक है। सरकार की भूमिका इस क्षेत्र में अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। दवाओं की कीमतों पर प्रभावी नियंत्रण, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता और पारदर्शी मूल्य निर्धारण व्यवस्था समय की आवश्यकता है। यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि कोई भी व्यक्ति केवल आर्थिक कारणों से इलाज से वंचित न रहे। दवा कंपनियों की लागत संरचना और मूल्य निर्धारण की नियमित समीक्षा भी जरूरी है, ताकि जनता को यह विश्वास रहे कि मूल्यवृद्धि वास्तविक कारणों से की जा रही है, न कि केवल मुनाफा बढ़ाने के लिए। पिछले कुछ वर्षों में सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण योजनाएं शुरू की हैं। आयुष्मान भारत योजना ने करोड़ों गरीब और जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान की है। जन औषधि केंद्रों के माध्यम से कम कीमत पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास भी सराहनीय रहा है। इन पहलों से लाखों लोगों को राहत मिली है। लेकिन स्वास्थ्य क्षेत्र की चुनौतियों का आकार इतना बड़ा है कि अभी और व्यापक प्रयासों की आवश्यकता महसूस होती है। सरकारी अस्पतालों की स्थिति में सुधार भी उतना ही आवश्यक है। यदि सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में पर्याप्त दवाएं, आधुनिक उपकरण, प्रशिक्षित चिकित्सक और बेहतर सुविधाएं उपलब्ध हों, तो आम नागरिकों का निजी अस्पतालों पर निर्भरता कम हो सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार भी जरूरी है, क्योंकि आज भी देश के अनेक गांवों में गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं सीमित हैं। स्वास्थ्य बीमा का विस्तार भी एक प्रभावी समाधान हो सकता है। वर्तमान में बड़ी संख्या में लोग किसी भी प्रकार की बीमा सुरक्षा से वंचित हैं। गंभीर बीमारी आने पर उन्हें अपनी जमा पूंजी खर्च करनी पड़ती है। स्वास्थ्य बीमा योजनाओं को अधिक व्यापक और सुलभ बनाने की आवश्यकता है। अस्पताल में भर्ती होने के अलावा दवाओं, जांचों और दीर्घकालिक उपचार को भी बीमा कवरेज का हिस्सा बनाया जाना चाहिए। इससे लाखों परिवारों को आर्थिक सुरक्षा मिल सकती है।

विकसित भारत का सपना केवल आर्थिक वृद्धि दर, बड़े उद्योगों या आधुनिक इमारतों से पूरा नहीं होगा। किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन इस बात से होता है कि वहां का सबसे कमजोर नागरिक कितना सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन जी रहा है। यदि एक किसान, मजदूर, कर्मचारी या निम्न आय वर्ग का व्यक्ति बीमारी के समय उचित इलाज प्राप्त नहीं कर सकता, तो विकास की कहानी अधूरी रह जाती है। स्वास्थ्य कोई विलासिता नहीं है, बल्कि हर नागरिक का मौलिक अधिकार है। एक स्वस्थ समाज ही मजबूत अर्थव्यवस्था और सशक्त राष्ट्र की नींव बन सकता है। इसलिए आवश्यक है कि स्वास्थ्य सेवाओं को केवल व्यापारिक दृष्टिकोण से न देखा जाए। सरकार, चिकित्सा जगत, दवा उद्योग और समाज को मिलकर ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं हर व्यक्ति तक पहुंच सकें। भारत जब स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करने की ओर बढ़ रहा है, तब यह सुनिश्चित करना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में होना चाहिए कि कोई भी नागरिक बीमारी के कारण आर्थिक विनाश का शिकार न बने। विकास की वास्तविक पहचान तब होगी जब देश का सबसे गरीब व्यक्ति भी बिना भय और बिना कर्ज के सम्मानपूर्वक इलाज करा सके। यही विकसित भारत की सच्ची तस्वीर होगी और यही एक संवेदनशील तथा जनकल्याणकारी राष्ट्र की पहचान भी।

विचार विण्डो

रोबोटों का युग आ रहा, अब बदलेंगे दुनिया के नियम

राम प्रकाश शर्मा

दुनिया एक ऐसे दौर में प्रवेश कर रही है, जहां विज्ञान कथा की कल्पनाएं धीरे-धीरे वास्तविकता बनती दिखाई दे रही हैं। कभी फिल्मों और उपन्यासों में दिखने वाले मानवाकार रोबोट अब प्रयोगशालाओं से निकलकर समाज का हिस्सा बनने की तैयारी कर रहे हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और रोबोटिक्स के क्षेत्र में हो रही तेज प्रगति ने यह संकेत दे दिया है कि आने वाले वर्षों में मशीनें केवल औद्योगिक कार्यों तक सीमित नहीं रहेंगी, बल्कि मनुष्यों के दैनिक जीवन की साझेदार बन जाएंगी। ऐसे समय में सबसे बड़ा सवाल यह नहीं है कि रोबोट क्या कर सकते हैं, बल्कि यह है कि हम उनका उपयोग किस प्रकार करेंगे।

पिछले कुछ वर्षों में दुनिया ने कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव देखे हैं। भाषा समझने, प्रश्नों के उत्तर देने, चित्र बनाने और जटिल समस्याओं को हल करने वाली प्रणालियां तेजी से विकसित हुई हैं। लेकिन अब यह तकनीक केवल डिजिटल दुनिया तक सीमित नहीं है। इसका अगला चरण मानवाकार रोबोटों के रूप में सामने आ रहा है, जो सोचने, समझने और निर्देशों के अनुसार काम करने में सक्षम होंगे। चीन इस क्षेत्र में विशेष रूप से तेजी से आगे बढ़ रहा है। जहां अमेरिका की बड़ी कंपनियां अधिक शक्तिशाली कृत्रिम बुद्धिमत्ता मॉडल विकसित करने की होड़ में लगी हैं, वहीं चीन ने एक अलग रणनीति अपनाई है। उसका ध्यान केवल सबसे बुद्धिमान मशीन बनाने पर नहीं, बल्कि ऐसी तकनीक विकसित करने पर है जो सीधे समाज और अर्थव्यवस्था में उपयोगी साबित हो सके। यही कारण है कि वहां मानवाकार रोबोटों को प्रयोगशालाओं से निकालकर वास्तविक जीवन में उतारने की कोशिशें तेजी से बढ़ रही हैं।

कुछ वर्ष पहले तक किसी रोबोट का रेस्तरां में खाना परोसना या किसी मॉल में आगंतुकों का स्वागत करना लोगों को आश्चर्यचकित कर देता था। लेकिन अब स्थिति बदल रही है। रोबोट केवल निर्धारित निर्देशों का पालन करने वाली मशीन नहीं रह गए हैं। वे आसपास के वातावरण को समझने, निर्णय लेने और परिस्थितियों के अनुसार प्रतिक्रिया देने की क्षमता प्राप्त कर रहे हैं। यही परिवर्तन उन्हें मानव जीवन के अधिक निकट ला रहा है।

हाल ही में चीन में आयोजित एक दौड़ प्रतियोगिता में मानवाकार रोबोटों की भागीदारी ने दुनिया का ध्यान आकर्षित किया। शुरुआती प्रयासों में जहां रोबोट गिरते-पड़ते लक्ष्य तक पहुंच रहे थे, वहीं अब वे ऐसी गति और संतुलन प्रदर्शित कर रहे हैं जो सामान्य मनुष्यों के लिए भी चुनौती बन सकता है। यह केवल तकनीकी उपलब्धि नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं का

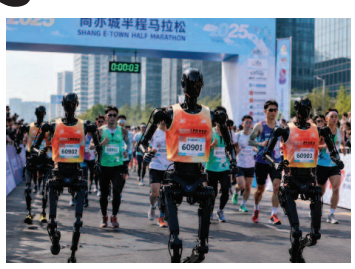

संकेत है। यदि कोई मशीन दौड़ सकती है, संतुलन बना सकती है और निर्देशों को समझ सकती है, तो वह घर, अस्पताल, कार्यालय और सार्वजनिक सेवाओं में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। सबसे दिलचस्प बदलाव वृद्धजन देखभाल के क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। दुनिया के अनेक देशों की तरह चीन भी वृद्ध होती आबादी की चुनौती का सामना कर रहा है। कम होती जन्मदर और बढ़ती आयु के कारण बुजुर्गों की संख्या लगातार बढ़ रही है। ऐसे में परिवारों के लिए बुजुर्गों की देखभाल करना पहले की तुलना में अधिक कठिन होता जा रहा है। यही वह क्षेत्र है जहां मानवाकार रोबोट एक नए समाधान के रूप में उभर रहे हैं। कल्पना कीजिए कि एक ऐसा रोबोट हो जो समय पर दवाइयां दे सके, घर की सफाई कर सके, भोजन तैयार करने में सहायता कर सके, स्वास्थ्य की निगरानी कर सके और जरूरत पड़ने पर आपातकालीन सहायता भी बुला सके। यह केवल कल्पना नहीं, बल्कि निकट भविष्य की वास्तविकता बनती दिखाई दे रही है। कई विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ वर्षों में ऐसे रोबोट सामान्य उपभोक्ताओं की पहुंच में आने लगेंगे। हालांकि तकनीक की इस तेज रफ्तार के साथ कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न भी जुड़े हैं। यदि रोबोट घरेलू कार्यों, सेवा क्षेत्र और देखभाल जैसे काम करने लगेंगे तो रोजगार पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा? क्या मशीनें मनुष्यों की जगह लेंगी या उनके सहयोगी बनेंगी? क्या भावनात्मक संबंधों की जगह तकनीकी सुविधाएं ले सकेंगी? इन प्रश्नों के उत्तर आसान नहीं हैं, लेकिन इन पर विचार करना आवश्यक है। इतिहास बताता है कि हर नई तकनीक ने प्रारंभ में आशंकाएं पैदा की हैं। औद्योगिक क्रांति के समय भी लोगों को लगा था कि मशीनें रोजगार समाप्त कर देंगी। कंप्यूटर आने पर भी ऐसी ही चिंताएं व्यक्त की गई थीं। लेकिन समय के साथ नई तकनीकों ने नए अवसर भी पैदा किए। संभव है कि रोबोटिक्स भी इसी दिशा में आगे बढ़े और ऐसे नए रोजगार तथा सेवाएं विकसित हों जिनकी आज हम कल्पना भी नहीं कर सकते। भारत जैसे देशों के लिए भी यह विषय अत्यंत महत्वपूर्ण है। यहां युवा आबादी बड़ी संख्या में मौजूद है, लेकिन साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं, वृद्धजन देखभाल और उत्पादकता बढ़ाने जैसी चुनौतियां भी हैं। यदि रोबोटिक्स और कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग सही दिशा में किया जाए तो यह शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और उद्योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय परिवर्तन ला सकता है। लेकिन इसके लिए स्पष्ट नीति, नैतिक मानदंड और सामाजिक तैयारी आवश्यक होगी। तकनीक स्वयं न तो अच्छी होती है और न बुरी। उसका प्रभाव इस बात पर निर्भर करता है कि उसका उपयोग किस उद्देश्य से किया जाता है। मानवाकार रोबोटों का आगमन अब केवल भविष्यवाणी नहीं, बल्कि वास्तविकता बनता जा रहा है। इसलिए जरूरी है कि हम केवल उनकी क्षमताओं पर आश्चर्यचकित होने के बजाय यह भी सोचें कि उन्हें समाज के हित में किस प्रकार उपयोग किया जाए। आने वाले वर्षों में रोबोट हमारे घरों, कार्यालयों, अस्पतालों और सार्वजनिक जीवन का हिस्सा बन सकते हैं। चुनौती यह नहीं होगी कि वे क्या कर सकते हैं, बल्कि यह होगी कि हम उन्हें किस दिशा में ले जाते हैं। यदि तकनीक मानव कल्याण, सुविधा और सम्मानजनक जीवन के लिए इस्तेमाल की गई तो यह एक नई क्रांति साबित होगी। लेकिन यदि सामाजिक और नैतिक पहलुओं की अनदेखी की गई तो यही तकनीक नई समस्याओं को जन्म भी दे सकती है। इसलिए रोबोटों के स्वागत के साथ-साथ उनके उपयोग की समझ विकसित करना भी उतना ही आवश्यक है।

वैभव–श्रीलंका विवाद पर बीसीसीआई का बड़ा खुलासा

मैच में रेफरी–अंपायर की चलेगी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत ए के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी और श्रीलंका ए के एक खिलाड़ी के बीच मैदान पर हुई तीखी बहस पिछले कुछ दिनों से क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बनी हुई है।

सोशल मीडिया पर इस घटना को लेकर तरह–तरह की प्रतिक्रियाएं सामने आ रही थीं और कई लोग यह सवाल भी उठा रहे थे कि क्या बीसीसीआई इस मामले में कोई कार्रवाई करेगा।

अब भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सचिव देवजीत सैकिया ने इस पूरे विवाद पर अपना रुख स्पष्ट कर दिया है। सैकिया ने साफ शब्दों में कहा कि मैदान पर होने वाली घटनाओं से जुड़े मामलों में फैसला लेने का अधिकार केवल मैच रेफरी और अंपायरों के पास होता है। ऐसे मामलों में बीसीसीआई किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर चल रही कार्रवाई संबंधी चर्चाएं महज अटकलें हैं और बोर्ड इस मामले में कोई कदम उठाने की स्थिति में नहीं है।

बीसीसीआई सचिव ने कहा, "क्या यह उचित होगा कि बीसीसीआई मैच रेफरी के अधिकार क्षेत्र में दखल दे मैदान पर जो कुछ भी होता है, उसका मूल्यांकन और निर्णय लेने का अधिकार अधिकृत अधिकारियों के पास है।

बोर्ड को उनके काम में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।" उनके इस बयान के बाद कार्रवाई को लेकर चल रही तमाम अटकलों पर विराम लग गया है।

सैकिया ने यह भी स्पष्ट किया कि यदि किसी खिलाड़ी के व्यवहार या मैच के दौरान हुई किसी घटना पर कार्रवाई की जरूरत होती है, तो उसके लिए निर्धारित प्रक्रिया मौजूद है और उसी के तहत निर्णय लिया जाता है।

बीसीसीआई का मानना है कि क्रिकेट के नियमों और अनुशासनात्मक व्यवस्था का पालन करना सभी के हित में है।

गौरतलब है कि भारत ए और श्रीलंका ए के बीच मुकाबले के दौरान वैभव सूर्यवंशी और विपक्षी खिलाड़ी के बीच हुई नोकझोंक ने काफी सुर्खियां बटोरी थीं। हालांकि अब बीसीसीआई के ताजा बयान से यह साफ हो गया है कि इस मामले में आगे की किसी भी कार्रवाई का फैसला केवल मैच रेफरी और अंपायरों के स्तर पर ही होगा, न कि बोर्ड के हस्तक्षेप से।

मोनालिसा का नया अवतार देख फैंस हुए दीवाने

यूनिक समय, नई दिल्ली। भोजपुरी सिनेमा और टीवी की लोकप्रिय अभिनेत्री मोनालिसा एक बार फिर अपने शानदार लुक को लेकर सोशल मीडिया पर छा गई हैं। अभिनेत्री ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ नई तस्वीरें साझा की हैं, जिनमें उनका शाही और आकर्षक अंदाज देखते ही बन रहा है। तस्वीरों में वह इतनी खूबसूरत नजर आ रही हैं कि फैंस उनकी तुलना किसी अप्सरा से कर रहे हैं। दरअसल, ये तस्वीरें मोनालिसा के आगामी शो में निभाए जा रहे 'वसंतसेना' के किरदार की हैं। अभिनेत्री इन दिनों गुजरात के उमरगाम में शो की शूटिंग कर रही हैं। तस्वीरों में उनका पारंपरिक लुक, खूबसूरत आभूषण और दमकता अंदाज सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

फोटो शेयर करते हुए मोनालिसा ने कैप्शन में लिखा, "सुंदर सुंदर... वसंतसेना।" उनके इस पोस्ट पर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। कोई उन्हें

मोनालिसा ने बिखेरा खूबसूरती का जादू

"रॉयल ब्यूटी" बता रहा है तो कोई "स्वर्ग से उतरी अप्सरा" कहकर तारीफ कर रहा है। बता दें कि वसंतसेना प्राचीन संस्कृत नाटक 'मृच्छकटिकम' की प्रमुख नायिका हैं। साहित्य में उन्हें उज्जयिनी की एक समृद्ध, सुंदर और कला–प्रेमी नगरवधू के रूप में वर्णित किया गया है। ऐसे प्रतिष्ठित किरदार को पर्दे पर निभाने के लिए मोनालिसा ने खास तैयारी की है।

मोनालिसा पहले भी अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज से दर्शकों का दिल जीत चुकी हैं, लेकिन इस बार उनका ऐतिहासिक और शाही लुक फैंस को कुछ अलग ही देखने को दे रहा है। सोशल पर उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं और प्रशंसक उनके नए शो का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

महिला टी–20 वर्ल्ड कप में भारत पहले पायदान पर

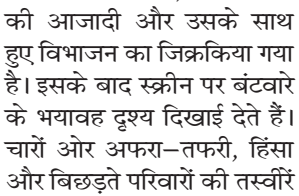

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 में भारतीय महिला टीम शानदार फॉर्म में नजर आ रही है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली टीम ने लगातार दो मुकाबले जीतकर अंक तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया है। भारत ने पहले पाकिस्तान और फिर नीदरलैंड्स को हराकर अपने खाते में चार अंक जोड़ लिए हैं।

भारतीय टीम का नेट रन रेट 3.975 है, जो ऑस्ट्रेलिया (3.875) से बेहतर है। यही वजह है कि दोनों टीमों के समान चार अंक होने के बावजूद भारत अंक तालिका में पहले स्थान पर पहुंच गया है। ऑस्ट्रेलिया दूसरे, जबकि दक्षिण अफ्रीका और बांग्लादेश क्रमशः तीसरे और चौथे स्थान पर हैं। दूसरी ओर, पाकिस्तान की स्थिति बेहद मुश्किल नजर आ रही है। टीम अपने शुरुआती दोनों मैच हार चुकी है और अभी तक जीत का खाता भी नहीं खोल सकी है। पाकिस्तान का नेट रन रेट –2.263 है, जिसके चलते वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। उसके नीचे सिर्फ नीदरलैंड्स की टीम है, जिसे भी अब तक जीत नहीं मिली है। अब भारतीय टीम का अगला मुकाबला 21 जून को दक्षिण अफ्रीका से होगा। यह मैच टीम इंडिया के लिए बड़ी चुनौती माना जा रहा है और इससे टूर्नामेंट में उसकी स्थिति और मजबूत हो सकती है। भारत की शानदार शुरुआत ने खिताबी उम्मीदों को और बढ़ा दिया है

कॉकटेल– 2 ने रिलीज से पहले कमाए करोड़ों

सिनेमाघरों में आने से पहले 'कॉकटेल 2' का जलवा

यूनिक समय, नई दिल्ली। शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की बहुप्रतीक्षित फिल्म 'कॉकटेल 2' रिलीज से पहले ही जबरदस्त सुर्खियां बटोर रही है। 19 जून को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही इस फिल्म ने एडवांस बुकिंग के जरिए ऐसा माहौल बना दिया है कि फिल्म इंडस्ट्री की नजरें अब इसके ओपनिंग डे कलेक्शन पर टिक गई हैं। दर्शकों के बीच फिल्म को लेकर बढ़ता उत्साह टिकट बिक्री में साफ दिखाई दे रहा है। 14 जून से शुरू हुई एडवांस बुकिंग में 'कॉकटेल 2' ने अब तक करीब 57 हजार टिकटों की बिक्री दर्ज की है। रिपोर्ट्स के अनुसार, ब्लॉक सीटों को छोड़कर फिल्म ने लगभग 1.97 करोड़ रुपये की कमाई कर ली है, जबकि ब्लॉक सीटों को शामिल करने पर यह आंकड़ा 3.67 करोड़ रुपये तक पहुंच चुका है। रिलीज से पहले मिले इस शानदार रिस्पॉन्स ने मेकर्स का उत्साह बढ़ा दिया है।

फिल्म के ट्रेलर और गानों को सोशल मीडिया पर शानदार प्रतिक्रिया मिली है। शाहिद कपूर, कृति सेनन और रश्मिका मंदाना की तिकड़ी दर्शकों के बीच खासा आकर्षण पैदा कर रही है। यही वजह है कि रिलीज नजदीक आते–आते बुकिंग की रफ्तार भी तेज होती जा रही है। ट्रेड विश्लेषकों का मानना है कि अंतिम दिन की बुकिंग के बाद फिल्म के आंकड़ों में और उछाल देखने को मिल सकता है। रणवीर सिंह की 'धुरंधरः द रिवेंज' 53 करोड़ रुपये की प्री–सेल्स कमाई के साथ अभी भी शीर्ष पर बनी हुई है, जबकि 'बॉर्डर 2' 12.5 करोड़ रुपये के साथ दूसरे स्थान पर है। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि 'कॉकटेल 2' इस सूची में अपनी जगह कहां बनाती है। होमी अदजानिया के निर्देशन में बनी यह फिल्म 2012 की सुपरहिट 'कॉकटेल' का सीक्वल है। पहले भाग की सफलता को देखते हुए दर्शकों की उम्मीदें काफी बढ़ गई हैं। अब सबकी निगाहें इस बात पर हैं कि क्या शाहिद, कृति और रश्मिका की यह नई तिकड़ी बॉक्स ऑफिस पर भी वही जादू चला पाएगी, जिसका संकेत एडवांस बुकिंग के आंकड़े दे रहे हैं।

मुसीबत में लोगों के रक्षक बने सनी, टीजर वायरल

सनी देओल की एंट्री से गूंजा 'बंटवारा' टीजर

यूनिक समय, नई दिल्ली। आमिर खान प्रोडक्शंस की बहुप्रतीक्षित फिल्म बंटवारा 1947 का टीजर रिलीज होते ही चर्चा में आ गया है। आजादी और भारत–पाकिस्तान विभाजन की पृष्ठभूमि पर बनी यह फिल्म दर्शकों को इतिहास के उस दर्दनाक दौर में ले जाती है, जब इंसानियत मजहब और हिंसा के बीच संघर्ष कर रही थी। टीजर में सनी देओल का दमदार अंदाज और भावनात्मक कहानी की झलक दर्शकों को खूब प्रभावित कर रही है।

करीब डेढ़ मिनट के इस टीजर की शुरुआत आमिर खान की आवाज से होती है, जिसमें देश की आजादी और उसके साथ हुए विभाजन का जिक्र किया गया है। इसके बाद स्क्रीन पर बंटवारे के भयावह दृश्य दिखाई देते हैं। चारों ओर अफरा–तफरी, हिंसा और बिछड़ते परिवारों की तस्वीरें नजर आती हैं, जो उस दौर की त्रासदी को जीवंत कर देती हैं।

इसी माहौल के बीच सनी देओल की एंट्री होती है। वह ऐसे शख्स के रूप में दिखाई देते हैं जो मुश्किल हालात में फंसे लोगों की मदद करता है और इंसानियत का संदेश देता है।

टीजर में शबाना आजमी, प्रीति जिंटा, अली फजल, करण देओल और अभिमन्यु सिंह की भी प्रभावशाली झलक देखने को मिलती है। सभी किरदार बंटवारे के दौर में साहस और मानवता की मिसाल पेश करते नजर आते हैं।

फिल्म में शबाना आजमी दुर्गावती देवी (माई), सनी देओल सिकंदर मिर्जा, प्रीति जिंटा हमीदा बेगम, करण देओल जावेद मिर्जा और अली फजल हबीब अनवर की भूमिका निभा

बंटवारा 1947' का दमदार टीजर रिलीज

दर्द, साहस और इंसानियत की कहानी लेकर लौटे सनी देओल

रहे हैं। टीजर में भगत सिंह, महात्मा गांधी, सुभाष चंद्र बोस और जवाहरलाल नेहरू जैसे ऐतिहासिक चेहरों की झलक भी दिखाई गई है।

राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का संगीत ए.आर. रहमान ने तैयार किया है, जबकि गीत जावेद अख्तर ने लिखे हैं। आमिर खान और अपर्णा पुरोहित द्वारा निर्मित 'बंटवारा 1947' 14 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। टीजर ने फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ा दी है।

आठ साल बाद इंग्लैंड की जीत का बदला

यूनिक समय, नई दिल्ली। फीफा विश्व कप 2026 में इंग्लैंड ने अपने अभियान की धमाकेदार शुरुआत करते हुए क्रोएशिया को 4–2 से हरा दिया। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने 2018 विश्व कप सेमीफाइनल में मिली हार का बदला भी चुका लिया, जब क्रोएशिया ने उसके फाइनल में पहुंचने का सपना तोड़ दिया था।

टेक्सास में खेले गए ग्रुप–एल मुकाबले में कप्तान हैरी केन ने दो गोल दागे, जबकि जूड बेलिंगहम और मार्कस रैशफोर्ड ने एक–एक गोल कर टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। मैच की शुरुआत केन के पेनल्टी गोल से हुई। हालांकि क्रोएशिया ने वापसी करते हुए मार्टिन बटुरीना और पेटार मूसा के गोलों की बदौलत मुकाबले को कड़ा बनाए रखा, लेकिन इंग्लैंड का आक्रामक खेल आखिरकार भारी पड़ा।

क्रोएशिया को 4–2 से हराकर की शानदार शुरुआत

नए कोच थॉमस ट्यूशेल के मार्गदर्शन में इंग्लैंड की टीम पहले की तुलना में अधिक आक्रामक नजर आई। इस जीत ने 60 साल से बड़े खिताब का इंतजार कर रहे इंग्लैंड के प्रशंसकों की उम्मीदें बढ़ा दी हैं।

दिन के अन्य मुकाबलों में घाना ने पनामा को हराकर जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। वहीं विश्व कप में पहली बार खेल रही उज्बेकिस्तान की टीम को कोलंबिया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

कोलंबिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मुकाबला अपने नाम किया और टूर्नामेंट में मजबूत शुरुआत दर्ज की।

मुख्तार की जमीन पर बने फ्लैटों पर संकट

सिंचाई विभाग के अवैध निर्माण नोटिस से मचा हड़कंप

यूनिक समय,लखनऊ। लखनऊ के डालीबाग क्षेत्र में माफिया मुख्तार अंसारी से मुक्त कराई गई जमीन पर बने आवासीय फ्लैटों को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्ट के रूप में प्रचारित इस योजना पर सिंचाई विभाग ने अवैध निर्माण का नोटिस चस्पा कर दिया है। विभाग का दावा है कि यह निर्माण उसकी जमीन पर किया गया है और इसे अतिक्रमण माना जाना चाहिए। नोटिस के बाद गुरुवार को सिंचाई विभाग की टीम मौके पर पहुंची।

कार्रवाई की आशंका से स्थानीय लोगों में नाराजगी फैल गई और विभागीय अधिकारियों के साथ तीखी नोकझोंक भी हुई। स्थिति को

संभालने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को हस्तक्षेप करना पड़ा। यह योजना 72 फ्लैटों वाली है, जिसे माफिया कब्जे से मुक्त कराई गई जमीन पर विकसित किया गया था। कुछ माह पहले मुख्यमंत्री ने स्वयं आवंटियों को आवंटन पत्र सौंपे थे और गृह प्रवेश सामग्री भी वितरित की थी। हालांकि अभी तक किसी लाभार्थी को वास्तविक कब्जा नहीं मिला है।

अब यदि सिंचाई विभाग का दावा सही साबित होता है, तो पूरी योजना कानूनी संकट में फंस सकती है।

ध्वस्तीकरण टीम पहुंची लोगों ने किया विरोध

दूसरी ओर, एलडीए इस परियोजना को वैध बताते हुए अपने दस्तावेजों के आधार पर दावा मजबूत करने में जुटा है।

दो सरकारी विभागों के बीच जमीन के स्वामित्व को लेकर पैदा हुआ यह विवाद हजारों करोड़ रुपये की विकास योजनाओं और आवंटियों के भविष्य पर सवाल खड़े कर रहा है। फिलहाल सभी की नजर प्रशासन और सरकार के अगले कदम पर टिकी है।

आगरा में ई-रजिस्ट्री विरोध से तहसीलों में कामकाज पूरी तरह ठप

यूनिक समय, आगरा। आगरा में ई-रजिस्ट्री प्रक्रिया के विरोध में चल रही अधिवक्ताओं की हड़ताल चौथे दिन भी जारी रही, जिससे सभी छह तहसीलों में कामकाज पूरी तरह ठप हो गया। वकीलों, दस्तावेज लेखकों और स्टांप वेंडर्स के आंदोलन के कारण रजिस्ट्री, विवाह पंजीकरण और अन्य निबंधन कार्य बाधित रहे, जिससे आम लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

हड़ताल कर रहे संगठनों का आरोप है कि नई व्यवस्था से पारंपरिक कार्यप्रणाली प्रभावित होगी और बड़ी संख्या में लोग प्रभावित होंगे। विरोध स्वरूप सदर तहसील में बैठक कर आगे की रणनीति तय की गई और आंदोलन को तेज करने का निर्णय लिया गया। आंदोलनकारियों ने सरकार के फैसले के खिलाफ प्रतीकात्मक रूप से स्टांप राज्यमंत्री की उठावनी सभा भी की और चेतावनी दी कि यदि मांगें नहीं मानी गईं तो आंदोलन और उग्र होगा।

संगठनों ने दावा किया कि अब तक करीब 6 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हो चुका है। उनका कहना है कि लगातार कामकाज ठप रहने से जमीन-जायदाद के सौदे अटक गए हैं और लोगों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। अधिवक्ताओं ने कहा कि जब तक ई-रजिस्ट्री आदेश पर पुनर्विचार नहीं होता, तब तक हड़ताल जारी रहेगी।

नियम की जानकारी न होने से हुआ अनोखा मामला

विदाई भी हुई, दावत भी हुई फिर पता चला नौकरी बाकी

यूनिक समय, बरेली। बरेली के बेसिक शिक्षा विभाग में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। प्राथमिक विद्यालय साहूकारा की प्रधानाध्यापिका शकुंतला भास्कर ने मार्च में सेवानिवृत्ति की सभी औपचारिकताएं पूरी कर लीं। स्कूल स्टाफ ने उन्हें भावुक विदाई दी, सम्मान समारोह हुआ और शिक्षिका ने सहकर्मियों को भोज भी कराया। सभी ने मान लिया कि उनकी नौकरी का सफर समाप्त हो गया है। मामला तब पलट गया जब पेंशन संबंधी फाइल विभाग में पहुंची। जांच के दौरान पता चला कि शिक्षिका की जन्मतिथि के आधार पर उन्हें सत्रांत लाभ मिलना था और उनकी वास्तविक सेवानिवृत्ति अगले वर्ष 31 मार्च को होनी थी। यानी उनकी सेवा अवधि अभी एक साल शेष है। जानकारी मिलते ही शिक्षिका ने दोबारा कार्यभार ग्रहण करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। विभाग ने भी मामले की जांच शुरू कर दी है। खंड शिक्षा अधिकारी के अनुसार सेवानिवृत्ति संबंधी दस्तावेज अभी अंतिम रूप से स्वीकृत नहीं किए गए हैं और शिक्षिका को आवश्यक कागजात के साथ कार्यालय बुलाया गया है। यह अनोखा मामला विभागीय नियमों की जानकारी के अभाव का उदाहरण बन गया है, जहां विदाई समारोह के बाद पता चला कि नौकरी अभी खत्म ही नहीं हुई थी।

नैनीताल सड़क हादसे से मचा कोहराम

यूनिक समय, मेरठ। मेरठ से नैनीताल घूमने गए एक परिवार की ट्रैवलर गाड़ी कालाढूंगी मार्ग पर हादसे का शिकार हो गई। वाहन में करीब 28 लोग सवार थे। बताया जा रहा है कि वापसी के दौरान गाड़ी के ब्रेक फेल हो गए, जिससे चालक नियंत्रण खो बैठा और ट्रैवलर गहरी खाई में गिरकर पेड़ से टकरा गई। हादसे में वाहन का अगला शीशा टूट गया, जिससे दो महिलाएं बाहर जा गिरीं और उनकी मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस, एसडीआरएफ और स्थानीय बचाव दल मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। चालक ने बताया कि ब्रेक फेल होने के बाद उसने वाहन को रोकने की कोशिश की, लेकिन ढलान के कारण गाड़ी अनियंत्रित हो गई। हादसे के बाद मेरठ में पीड़ित परिवारों के बीच शोक का माहौल है।

राम मंदिर चढ़ावा विवाद से बढ़ी हलचल

जांच और सीएम दौरे ने बढ़ाया तनाव

यूनिक समय, अयोध्या । अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामले की जांच के बीच मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के अयोध्या दौरे को लेकर प्रशासनिक हलचल तेज हो गई है। शुक्रवार को सीएम योगी के राम मंदिर में दर्शन-पूजन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। इसी बीच प्रशासन ने मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय को कार्यक्रम में शामिल न होने और अपना प्रतिनिधि भेजने का निर्देश दिया है। प्रोटोकॉल पत्र में इसका उल्लेख किया गया है, जिस पर अब राजनीतिक और प्रशासनिक चर्चाएं तेज हो गई हैं।

प्रशासनिक आदेश से मचा सियासी बवाल

मामले की जांच कर रही एसआईटी ने भी मंदिर परिसर में पूछताछ तेज कर दी है और कई कर्मचारियों से सवाल-जवाब किए जा रहे हैं। दूसरी ओर विपक्षी दलों ने सरकार पर आरोप लगाते हुए जांच की मांग उठाई है और मामले को गंभीर बताया है।

विवाद के बीच यह भी चर्चा है कि राम मंदिर में काशी विश्वनाथ की तर्ज पर सीईओ की नियुक्ति की जा सकती है। वहीं अब तक लगभग 2 करोड़ रुपये की बरामदगी भी जांच में सामने आ चुकी है। पूरे मामले को लेकर अयोध्या में राजनीतिक और प्रशासनिक माहौल गर्म हो गया है।

विनय कटियार के बयान को बताया सही

राम मंदिर आंदोलन से जुड़े लोगों की हुई उपेक्षा: बृजभूषण

कार्यकर्ताओं की उपेक्षा पर उठे सवाल

यूनिक समय, गोंडा। कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने राम मंदिर आंदोलन से जुड़े कार्यकर्ताओं की कथित उपेक्षा को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने वर्षों तक संघर्ष कर राम मंदिर आंदोलन को जन-जन तक पहुंचाया, आज मंदिर निर्माण के बाद वही लोग खुद को सबसे अधिक उपेक्षित महसूस कर रहे हैं। बृजभूषण शरण सिंह ने भाजपा नेता विनय कटियार के बयान का समर्थन करते हुए कहा कि आंदोलन में अहम भूमिका निभाने वाले अनेक कार्यकर्ताओं को वह सम्मान नहीं मिला, जिसके वे हकदार थे। उनके अनुसार, राम

मंदिर आंदोलन केवल नेताओं का नहीं बल्कि हजारों कार्यकर्ताओं, श्रद्धालुओं और आम लोगों के समर्पण का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि अयोध्या के साथ-साथ अंबेडकरनगर, बस्ती, बाराबंकी और देवीपाटन क्षेत्र के लोगों ने आंदोलन को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और श्रद्धालु लगातार अयोध्या पहुंचते थे तथा धार्मिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाते थे। आंदोलन के कठिन दौर में इन्हीं लोगों ने इसे मजबूती प्रदान की थी। पूर्व सांसद ने कहा कि मंदिर निर्माण के बाद सुरक्षा व्यवस्था और बैरियर सिस्टम के कारण आम लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई है। इससे स्थानीय लोगों और आंदोलन से जुड़े कार्यकर्ताओं में असंतोष बढ़ा है। उनका मानना है कि जिन लोगों ने वर्षों तक इस अभियान के लिए संघर्ष किया, उन्हें अब अपेक्षित सम्मान और सुविधाएं मिलनी चाहिए।

बृजभूषण के इस बयान ने एक बार फिर राम मंदिर आंदोलन से जुड़े कार्यकर्ताओं की भूमिका और उनके सम्मान को लेकर बहस छेड़ दी है। उन्होंने संकेत दिया कि आंदोलन के मूल कार्यकर्ताओं की भावनाओं को समझना और उन्हें उचित पहचान देना जरूरी है। उनका कहना है कि मंदिर निर्माण एक ऐतिहासिक उपलब्धि है, लेकिन इसके पीछे योगदान देने वाले लोगों को भुलाया नहीं जाना चाहिए।

172 साल पुरानी नहर फिर बनेगी किसानों की जीवनरेखा

धान की फसल के लिए शुरू हुई तैयारी

यूनिक समय, अलीगढ़। अलीगढ़ में खरीफ सीजन की शुरुआत के साथ ही खेतों तक पानी पहुंचाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। जिले के 132 रजबहा और माइनरों की सफाई का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है, ताकि धान की फसल को समय पर पर्याप्त पानी मिल सके। सिंचाई विभाग ने इसके लिए करीब 1.95 करोड़ रुपये की लागत से अभियान शुरू किया है। जिले में 72 रजबहा और माइनर ऊपरी गंगा नहर से जुड़े हैं, जबकि 60 को मध्य गंगा नहर से पानी मिलता है। इन नहरों के माध्यम से हजारों किसानों की खेती सिंचित होती है। विशेष बात यह है कि ऊपरी गंगा नहर देश की तीसरी सबसे पुरानी मानव निर्मित नहरों में गिनी जाती है। इसका निर्माण ब्रिटिश शासनकाल में शुरू हुआ था और 1854 में पूरा हुआ। लगभग 437 किलोमीटर लंबी यह नहर उत्तराखंड के हरिद्वार से निकलकर कई जिलों से गुजरते हुए अलीगढ़ पहुंचती है। सिंचाई विभाग का कहना है कि नहरों और माइनरों की सफाई पूरी होने के बाद हेड से टेल तक सभी किसानों को समान रूप से पानी उपलब्ध कराया जाएगा। इससे धान की फसल को लाभ मिलेगा और कृषि उत्पादन बढ़ने की उम्मीद है। 172 वर्ष पुरानी यह नहर आज भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश के किसानों के लिए जीवनदायिनी बनी हुई है।

मुंडन संस्कार से लौटते समय परिवार पर टूटा मौत का कहर

खाई में गिरी बोलेरो, सात की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले में एक भीषण सड़क हादसे ने सात परिवारों की खुशियां छीन लीं। बुधवार देर रात मसरूंडझहमल मार्ग पर एक बोलेरो वाहन अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरा। हादसा इतना भयावह था कि वाहन के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार सात लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में महिलाएं और पुरुष दोनों शामिल हैं।

जानकारी के अनुसार सभी लोग ग्राम पंचायत कुठेड़ के महल गांव के निवासी थे और काकड़ोथा गांव में आयोजित एक मुंडन संस्कार समारोह में शामिल होकर लौट रहे थे। देर रात घर वापस आते समय वाहन दुर्घटना का शिकार हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस, प्रशासन और स्थानीय ग्रामीण मौके पर पहुंचे। अंधेरा और दुर्गम क्षेत्र होने के कारण राहत एवं बचाव कार्य में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। ग्रामीणों ने खाई में उतरकर शवों को बाहर निकालने में मदद की।

मुंडन की खुशी मातम में बदली

स्थानीय लोगों का कहना है कि जिस स्थान पर दुर्घटना हुई, वहां सड़क किनारे क्रैश बैरियर नहीं लगे थे। उनका आरोप है कि यदि पर्याप्त सुरक्षा प्रबंध होते तो इतने बड़े हादसे को रोका जा सकता था। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है और गांव में मातम पसरा हुआ है।

गौरतलब है कि एक दिन पहले भी चंबा जिले में एक अन्य सड़क हादसे में दो लोगों की जान चली गई थी। लगातार हो रही दुर्घटनाओं ने पहाड़ी क्षेत्रों में सड़क सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है, जबकि प्रशासन मृतकों के परिजनों को हरसंभव सहायता देने की बात कह रहा है।

यह हादसा एक बार फिर याद दिलाता है कि पहाड़ी सड़कों पर सुरक्षा उपायों को मजबूत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।

शिवसेना यूबीटी में बगावत पर बढ़ा सियासी घमासान

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र में शिवसेना (यूबीटी) के कुछ नेताओं की बगावत के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है। पार्टी नेता संजय राउत के तीखे बयान पर भाजपा और शिंदे गुट के नेताओं ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। संजय राउत ने प्रेस वार्ता में कहा कि पार्टी के साथ "गद्दारी" करने वालों को उनके ही अंदाज में जवाब दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि बागी नेताओं को सात दिन का कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। राउत ने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी के कुछ सांसदों पर दबाव बनाया जा रहा है और उनकी स्थिति की जानकारी जुटाई जा रही है।

राउत के बयान पर शिंदे गुट की नेता शाइना एनसी ने पलटवार करते हुए कहा कि ऐसी भाषा किसी जिम्मेदार नेता को शोभा नहीं देती। उन्होंने राजनीतिक मतभेदों के बावजूद संयमित भाषा के प्रयोग की सलाह दी।

राउत के बयान पर भाजपा का पलटवार

वहीं महाराष्ट्र सरकार में मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने दावा किया कि पार्टी के जनप्रतिनिधि नेतृत्व से असंतुष्ट हैं। उनके अनुसार संगठन में संवाद और समन्वय की कमी के कारण कई नेता पार्टी छोड़ने का फैसला कर रहे हैं।

बढ़ते आरोप–प्रत्यारोप के बीच शिवसेना (यूबीटी) में हुई बगावत अब महाराष्ट्र की राजनीति का प्रमुख मुद्दा बन गई है। आने वाले दिनों में इस विवाद के और गहराने के संकेत दिखाई दे रहे हैं।

रेत खनन विवाद में खूनी संघर्ष, तीन की दर्दनाक मौत

कार में जिंदा जले लोग दो घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के कोरिया जिले में रेत खनन को लेकर चल रहा विवाद हिंसक संघर्ष में बदल गया। सोनहत तहसील के कटगोड़ी गांव में दो पक्षों के बीच हुई झड़प में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हैं।

पुलिस के अनुसार, विवाद के दौरान एक पक्ष ने दूसरे पक्ष की गाड़ियों पर हमला कर दिया। आरोप है कि हमलावरों ने एक फॉर्च्यूनर वाहन को टिपर ट्रक से कई बार टक्कर मारी, जिससे वाहन क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग बाहर नहीं निकल सके। बाद में वाहन में आग लग गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार बाहर निकलने की कोशिश कर रहे लोगों पर भी हमला किया गया।

घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही जलकर मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायलों ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। दो घायल अभी भी गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती हैं।

पुलिस ने मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि अन्य की तलाश जारी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रेत खनन के कारोबार को लेकर दो परिवारों के बीच लंबे समय से विवाद और रंजिश चल रही थी। पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

व्हाट्सऐप पर आई तस्वीर 7.8 करोड़ उड़ाकर ले गए ठग

पूर्व प्रधानमंत्री के बेटे बने साइबर जाल का शिकार

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश के पूर्व प्रधानमंत्री इंद्र कुमार गुजराल के बेटे और पूर्व सांसद नरेश कुमार गुजराल एक बड़े साइबर ठगी मामले का शिकार हो गए। ठगों ने उनकी तस्वीर का इस्तेमाल कर व्हाट्सऐप पर उनके कर्मचारी को संदेश भेजा और खुद को नरेश गुजराल बताकर करीब 7.8 करोड़ रुपये ट्रांसफर करा लिए।

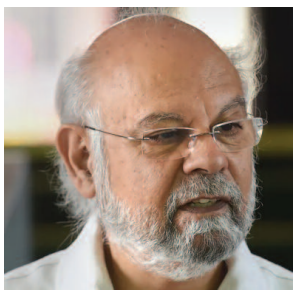

जानकारी के अनुसार, ठग ने कर्मचारी से कहा कि वह एक महत्वपूर्ण बैठक में व्यस्त हैं और तत्काल एक खाते में धनराशि भेजनी है। कर्मचारी ने भरोसा कर 12 से 16 जून के बीच चार अलग–अलग आरटीजीएस लेनदेन के जरिए करोड़ों रुपये भेज दिए। मामले का खुलासा तब हुआ जब कर्मचारी ने लेनदेन की जानकारी नरेश गुजराल की बेटी को दी। सत्यापन के बाद पता चला कि ऐसा कोई निर्देश नहीं दिया गया था। इसके तुरंत बाद साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई गई। दिल्ली पुलिस की त्वरित कार्रवाई से करीब 4 करोड़ रुपये फ्रीज करा लिए गए हैं। पुलिस मामले की जांच में जुटी है। यह हाल के वर्षों में राजधानी के सबसे बड़े साइबर ठगी मामलों में से एक माना जा रहा है।

विधान परिषद चुनाव में भाजपा को झटका

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक विधान परिषद की सात सीटों के लिए हुए मतदान के बीच भाजपा को बड़ा राजनीतिक झटका लगा है। पार्टी से निष्कासित विधायक एस.टी. सोमशेखर और शिवराम हेब्बार ने कांग्रेस उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया। दोनों नेता मतदान के दौरान मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के साथ नजर आए, जिससे राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गई हैं।

माना जा रहा है कि इन दोनों विधायकों की क्रॉस वोटिंग से कांग्रेस को परिषद में पांचवीं सीट हासिल करने की राह आसान हो सकती है। विधानसभा में कांग्रेस के पास बहुमत

निष्कासित विधायकों ने कांग्रेस को दिया समर्थन

होने के बावजूद सातवीं सीट के लिए मुकाबला रोचक बना हुआ है। विधान परिषद की सात सीटों पर कुल आठ उम्मीदवार मैदान में हैं। कांग्रेस, भाजपा और जनता दल (सेक्यूलर) के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिल रहा है। मतदान समाप्त होने के बाद मतगणना शुरू होगी और परिणाम भी आज ही घोषित किए जाएंगे। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि इस चुनाव का असर आने वाले दिनों में कर्नाटक की राजनीति पर भी दिखाई दे सकता है।

इकलौते बेटे की अंतिम विदाई, गांव में पसरा मातम

यूनिक समय, नई दिल्ली। ओमान तट के पास हुए अमेरिकी मिसाइल हमले में जान गंवाने वाले 23 वर्षीय मर्चेंट नेवी कैडेट आदित्य शर्मा का पार्थिव शरीर आठ दिन बाद उनके पैतृक गांव पहुंचा। शव के घर पहुंचते ही परिवार और गांव में शोक की लहर दौड़ गई। इकलौते बेटे को अंतिम बार देखने के लिए मां बिलख उठी, जबकि पिता भी अपने आंसू नहीं रोक सके।

हमीरपुर के भालू गांव निवासी आदित्य शर्मा मर्चेंट नेवी में डेक कैडेट के रूप में कार्यरत थे। पोस्टमार्टम के बाद उनका पार्थिव शरीर गांव लाया गया, जहां पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार उनके सिर पर गंभीर चोटों के निशान पाए गए हैं। बताया गया कि ओमान के तट के पास एक जहाज पर हुए हमले के दौरान आदित्य सहित तीन भारतीयों की मौत हो गई थी। बचाव अभियान में अन्य क्रू सदस्यों को सुरक्षित निकाल लिया गया था।

अमेरिकी हमले में गई थी युवा कैडेट की जान

मेहनती और होनहार युवा के रूप में पहचान रखने वाले आदित्य की असमय मौत से पूरे क्षेत्र में गहरा दुख है। स्थानीय लोगों और जनप्रतिनिधियों ने इसे क्षेत्र की बड़ी क्षति बताया है।

गुरुद्वारे में सेवादार दंपति की हत्या से मचा आक्रोश

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में एक गुरुद्वारे के भीतर बुजुर्ग सिख सेवादार दंपति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। मरदान क्षेत्र में हुई इस घटना ने सिख समुदाय और मानवाधिकार संगठनों में चिंता बढ़ा दी है। मृतकों की पहचान जगन्नाथ और उनकी पत्नी आसमा वंती के रूप में हुई है, जो गुरुद्वारे में सेवा कार्य से जुड़े थे। घटना के बाद भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव तरुण चुघ और अकाल तख्त के जत्थेदार ज्ञानी कुलदीप सिंह गड़गज ने कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने पाकिस्तान सरकार से दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी और सख्त कार्रवाई की मांग की है। नेताओं ने कहा कि बार–बार हो रही ऐसी घटनाएं पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाती हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संस्थाओं से भी हस्तक्षेप कर मामले की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की अपील की।

अल्पसंख्यकों की सुरक्षा पर उठे गंभीर सवाल

इस दोहरे हत्याकांड के बाद सिख समुदाय में भय और आक्रोश का माहौल है, जबकि पुलिस हमलावरों की तलाश में जुटी हुई है।

ममता को हाईकोर्ट से झटका, ऋतब्रत बने रहेंगे विपक्ष के नेता

यूनिक समय, नई दिल्ली। कोलकाता में विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष को लेकर चल रहे विवाद में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने विधानसभा अध्यक्ष के उस फैसले पर अंतरिम रोक लगाने से इनकार कर दिया, जिसके तहत ऋतब्रत बनर्जी को विपक्ष का नेता घोषित किया गया था। अदालत के आदेश के बाद फिलहाल ऋतब्रत इस पद पर बने रहेंगे।

यह मामला तब शुरू हुआ जब टीएमसी विधायक शोवनदेब चट्टोपाध्याय ने स्पीकर के फैसले को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की। सुनवाई के दौरान अदालत ने विधानसभा अध्यक्ष की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए और पूछा कि पार्टी नेतृत्व के पहले पत्र पर कार्रवाई क्यों नहीं हुई, जबकि बाद में आए दूसरे पत्र पर तुरंत निर्णय ले लिया गया। कोर्ट ने सभी पक्षों को विस्तृत हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। मामले की अगली सुनवाई 28 जुलाई को होगी। विधानसभा चुनाव में हार के बाद टीएमसी के भीतर मतभेद खुलकर सामने आए हैं। पार्टी के एक बड़े धड़े ने ऋतब्रत बनर्जी का समर्थन किया, जिससे बंगाल की राजनीति में नया शक्ति संतुलन बनता दिखाई दे रहा है। इस घटनाक्रम ने राज्य की सियासत को और गर्म कर दिया है।

स्पीकर के फैसले पर रोक नहीं

टीएमसी में बढ़ा सियासी संकट

स्मार्टफोन पर तालिबान की सख्ती अफगानिस्तान में नया प्रतिबंध लागू

यूनिक समय, नई दिल्ली। अफगानिस्तान में तालिबान प्रशासन ने सरकारी अधिकारियों, कर्मचारियों और लड़ाकों के स्मार्टफोन उपयोग पर कड़ा प्रतिबंध लगा दिया है। नए आदेश के अनुसार ड्यूटी के दौरान स्मार्टफोन रखने पर फोन जब्त या नष्ट किया जा सकता है। विशेष परिस्थितियों में उपयोग के लिए शीर्ष नेतृत्व से अनुमति आवश्यक होगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह फैसला सरकारी सूचनाओं के लीक होने और विरोध प्रदर्शनों के वीडियो सोशल मीडिया पर फैलने की घटनाओं के बाद लिया गया है। हाल के महीनों में कई संवेदनशील वीडियो और दस्तावेज सार्वजनिक होने से तालिबान की आलोचना बढ़ी थी।

ठाकुर बांके बिहारी मंदिर के बाहर हाईवोल्टेज ड्रामा,युवक की पिटाई

छेड़छाड़ के आरोप से विवाद बढ़ा

वीडियो बनाना पड़ा भारी, श्रद्धालुओं ने घेरा युवक

वीडियो वायरल, पुलिस जांच में जुटी

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन स्थित बांके बिहारी मंदिर के समीप महिला श्रद्धालुओं और एक युवक के बीच हुए विवाद का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में कुछ महिलाएं एक युवक के साथ मारपीट करती दिखाई दे रही हैं। इस दौरान युवक के कपड़े भी फट गए। घटना के पीछे छेड़छाड़ और बिना अनुमति वीडियो बनाने के आरोप बताए जा रहे हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार दिल्ली से आई कुछ महिला श्रद्धालु अपने परिजनों और साथियों के साथ बांके बिहारी मंदिर में दर्शन करने पहुंची थीं। दोपहर में भोग लगने के कारण मंदिर के पट बंद थे, इसलिए सभी श्रद्धालु पट खुलने का इंतजार कर रहे थे। इसी दौरान मंदिर के तीन नंबर गेट के सामने स्थित एक गली में कुछ युवकों और महिला श्रद्धालुओं के बीच कहासुनी हो गई। महिलाओं का आरोप है कि एक युवक ने उनके साथ अभद्र व्यवहार और छेड़छाड़ की। आरोपित युवक मौके से भाग निकला, जबकि उसके साथ मौजूद दूसरा युवक लोगों के हत्थे चढ़ गया। महिलाओं और उनके साथियों का कहना था कि पकड़ा गया युवक पूरे घटनाक्रम का वीडियो बना रहा था। इसके बाद वहां मौजूद लोगों का गुस्सा भड़क उठा और युवक के साथ मारपीट की गई। वायरल वीडियो में एक महिला युवक के बाल पकड़कर उसे थप्पड़ मारती दिखाई दे रही है। युवक हाथ जोड़कर और कान पकड़कर माफी मांगता भी नजर आ रहा है। वीडियो में कुछ लोग गाली–गलौज करते हुए भी सुनाई दे रहे हैं। एक महिला यह कहते हुए दिखाई देती है कि युवक उसकी अनुमति के बिना वीडियो बना रहा था। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया है। अधिकारियों का कहना है कि वायरल वीडियो और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वाहन चोर गैंग का पर्दाफाश आधा दर्जन ईको गाड़ी बरामद

बरामद ईको गाड़ी सैंया, किरावली, फरह, मथुरा से की हैं चोरी

यूनिक समय, आगरा। थाना सैंया पुलिस ने वाहन चोरों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। सर्विलांस टीम और एसओजी के सहयोग से वाहन चोर गैंग का पर्दाफाश करते हुए छह शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। उनकी निशानदेही पर छह ईको गाड़ी, पांच मोबाइल, कटर आदि सामान बरामद किया है।

डीसीपी वेस्ट आदित्य कुमार ने बताया कि थाना सैंया क्षेत्र के गांव बीरई से छह जून की रात्रि को घर के सामने खड़ी ईको गाड़ी को अज्ञात चोर चोरी कर ले गए थे। पीड़ित पक्ष ने 11 जून को थाने में अज्ञात चोरों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराई थी। पुलिस चोरों की तलाश में जुटी थी। पुलिस टीम ने 18 जून को लल्लूपुरा खेरागढ़ मार्ग स्थित एक खेत से छह चोरों को दबोच लिया।

पुलिस ने चोरों की निशानदेही पर छह ईको गाड़ी बरामद करने में सफलता हासिल की। एसओ गुरुबिद्र सिंह ने बताया कि बरामद ईको गाड़ी सैंया, किरावली, फरह, मथुरा से चोरी की गई हैं।

गिरफ्तार किए गए आरोपी थाना फतेहपुर सीकरी क्षेत्र के गांव जहानापुर निवासी खुशीराम, मोहल्ला नयाबांस निवासी जीशान, राजा का पुरा निवासी रामबरन, फतेहपुर सीकरी निवासी सचिन, थाना खेरागढ़ क्षेत्र के गांव महुआखेड़ा निवासी धर्मेन्द्र, थाना किरावली क्षेत्र के गांव अभुआ पुरा निवासी छोटू हैं। गिरफ्तार आरोपियों को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों ने किया प्रदर्शन

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में प्रदर्शन करते शिक्षक।

काले कानून में संशोधन नहीं किया तो अगले चरण की लड़ाई होगी दिल्ली की सड़कों पर: डॉ. कमल

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार को अखिल भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ प्रदेशीय नेतृत्व के आह्वान पर संगठन के प्रादेशिक वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. कमल कौशिक के नेतृत्व में शिक्षकों ने डीएम को ज्ञापन सौंपा।

डॉ. कमल कौशिक ने कहा कि टीईटी लागू होने से पहले से सेवारत देश के 20 लाख से भी अधिक शिक्षकों पर टीईटी अनिवार्यता थोपना नैसर्गिक न्याय और उस समय के नियुक्ति प्रावधानों का खुला उल्लंघन है। संगठन इसका विरोध करता है। गोवर्धन दास गुप्ता जिला मीडिया प्रमुख ने कहा कि शिक्षकों पर हो रहे इस अन्याय के खिलाफ सरकार -समाज संवेदनशीलता का परिचय देते हुए लाखों शिक्षकों की उत्कृष्ट सेवाओं, लंबे शिक्षण अनुभव को दृष्टिगत रखते हुए की उनकी गौरव गरिमा, मान सम्मान, सेवा सुरक्षा की रक्षा करने के लिए शिक्षा का अधिकार अधिनियम में आवश्यक संशोधन करे।

अंजना शर्मा जिलाध्यक्ष ने कहा कि सरकार को काले कानून को संसद में संशोधन करना होगा। कार्यकारी अध्यक्ष हेमराज सिंह ने कहा शिक्षकों की बात नहीं मानी तो आने वाले समय में सड़क पर अपनी लड़ाई लड़ेंगे। संचालन इंद्रपाल सिंह चौधरी महामंत्री ने किया।

कार्यक्रम में वीरेंद्र सिंह कुशवाहा मंडल उपाध्यक्ष, शिवराज सिंह भारद्वाज, गोविंद सिंह चौहान, बच्चू सिंह, हरिओम गुप्ता, चक्रपाणि डांगर, अशोक सोलंकी, अशोक फौजदार, कमलेश चौहान, सुरजीत सिंह, मनमोहन गौतम, मनोज रावत,भगवान सिंह पचोरी, शैलेंद्र परिहार, पवन गौतम, शिखा मिश्रा, पूनम गर्ग, प्रीति भटनागर, दुर्ग पाल सिंह, जगदीश पाठक अशोक पाठक, कविंद्र सिंह, अभया सिंह, सोनिया सिंह आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह ने गिनाईं केंद्र सरकार की उपलब्धियां

जनसंपर्क अभियान के दौरान सरकार की योजनाएं बताते राज्य सभा सांसद तेजवीर सिंह

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय जनता पार्टी महानगर के होली गेट मंडल द्वारा चलाए जा रहे जनसंपर्क अभियान के तहत राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह ने प्रबुद्ध वर्ग के लोगों से संपर्क कर केंद्र सरकार के 12 वर्षों के सेवा, सुशासन, सुरक्षा और जनकल्याण से जुड़े कार्यों की जानकारी दी। इस दौरान सांसद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हुए विकास कार्यों, गरीब कल्याणकारी योजनाओं, आत्मनिर्भर भारत अभियान, मध्यम वर्ग के हित में लिए गए विभिन्न निर्णयों का उल्लेख किया।

जनसंपर्क अभियान के दौरान उन्होंने होली गेट मंडल अध्यक्ष लोकेश तायल, मंडल उपाध्यक्ष नरेश शर्मा, महामंत्री कृष्ण मणि, सूबेदार विवेक शर्मा घनश्याम हरियाणा, पूर्व जिला मीडिया प्रभारी- पूर्व पार्षद मदन मोहन श्रीवास्तव सहित कई प्रबुद्ध नागरिकों से संवाद किया।

आगरा कैंट पर बोरों में भरा मिला 40 क्विंटल खोआ

कई राज्यों में होना था सप्लाई, मालिक को तलाश रही टीम

यूनिक समय, आगरा। खाद्य विभाग की टीम ने गुरवार को कैंट स्टेशन पर बड़ी मात्रा में खोआ पकड़ा है। इसके मिलावटी होने की आशंका जताई जा रही है। कार्रवाई के दौरान खोआ का मालिक भाग गया है। अब ऐसे में टीम इसे नष्ट कराने की तैयारी कर रही है। खाद्य विभाग की टीम ने आगरा कैंट के पार्सल घर के पास मिलावटी 40 क्विंटल खोआ पकड़ा है। इसका मालिक भाग गया है। इसे जब्त कर लिया है। खोआ मध्यप्रदेश, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ भेजा जा रहा था। शुक्रवार तक इसका मालिक नहीं आने पर नष्ट करा दिया जाएगा।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय महेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि आगरा कैंट से पार्सल के जरिये मिलावटी–घटिया खोआ कई राज्यों में भेजा जा रहा है। इस सूचना पर 10 खाद्य अधिकारियों की टीम को रात में आगरा कैंट के पार्सल घर के आसपास लगा दिया।

पार्सल हाउस के बगल में भारी मात्रा में खोआ बरामद किया। यह 40 बोरों में भरा हुआ था। जांच करने पर यह घटिया और मिलावटी प्रतीत हो रहा है। काफी देर तक इंतजार करने पर भी कोई इसका मालिक नहीं आया, ऐसे में इसको नष्ट कर दिया जाएगा। जांच के लिए नमूने भी लिए जा रहे हैं। खाद्य विभाग के सहायक आयुक्त ने बताया कि यह बंगाल के आसनसोल, यूपी, दिल्ली समेत कई जगह पार्सल भेजा जा रहा था।

वाहन चोर चढ़ा पुलिस के हत्थे, चार बाइक बरामद

यूनिक समय, मथुरा। थाना गोविन्दनगर पुलिस ने वाहन चोरी के मामलों में वांछित एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से चार चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। थाना प्रभारी रवि त्यागी ने बताया कि पुलिस टीम क्षेत्र में रात्रि गश्त कर रही थी। इसी दौरान मसानी बिजलीघर से गोकुल रेस्टोरेंट जाने वाले मार्ग पर एक संदिग्ध युवक दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोककर पूछताछ की और तलाशी ली। जांच के दौरान उसके कब्जे से चार चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद हुईं। गिरफ्तार आरोपी की पहचान उदयवीर सिंह उर्फ उद्दन उर्फ हुल्लन निवासी अमर कॉलोनी, गोवर्धन रोड, मथुरा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार आरोपी का मूल निवास शेरगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम बड़ा में है। बरामद वाहनों में स्प्लेंडर प्लस और होंडा सीडी–110 ड्रीम समेत चार मोटरसाइकिलें शामिल हैं। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी चोरी की बाइक बेचने का काम भी करता था। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, आरोपी का लंबा आपराधिक इतिहास है। उसके खिलाफ चोरी, लूट, गैंगस्टर एक्ट, आर्म्स एक्ट, मारपीट और धमकी जैसे मामलों में 18 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस उससे पूछताछ कर वाहन चोरी के अन्य मामलों की जानकारी जुटा रही है तथा बरामद मोटरसाइकिलों के वास्तविक मालिकों की पहचान की जा रही है।

शहर के खारी कुआं से निकला अलम का जुलूस

अखाड़े के उस्ताद–खलीफाओं ने दिखाए कला के करतब

यूनिक समय, मथुरा। मोहर्रम कमेटी शहर और सदर के तत्वावधान में पैगम्बर ए इस्लाम हजरत मोहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन की याद में अलम का जुलूस सादगी और अकीदत के साथ निकाला गया।

जुलूस की अगुवाई मोहम्मद निजाम ने की। जुलूस खारी कुआं से शुरू होकर शहर का भ्रमण करता हुआ खारी कुआं पर आकर समाप्त हुआ। शाम साढ़े सात बजे खारी कुआं से अलम का जुलूस प्रारंभ होकर भरतपुर गेट, कोतवाली रोड होते हुए सराय होली गेट पहुंचा। यहां से चाह कठौती, कोतवाली रोड, मनोहरपुरा, मटिया दरवाजा, बरबार पाड़ा, जामा मस्जिद, चौक बाजार में अलमों के साथ चल रहा अखाड़ा जमा हुआ। चौक बाजार में अखाड़े के उस्ताद- खलीफाओं ने बिराह बांटी आदि हैरतअंगेज करतब दिखाकर लोगों का मन मोह लिया। इसके बाद जुलूस कुशक गली, हनुमान टीला, इमाम बाड़ा, काजी पाड़ा, चूड़ी वाली गली, नक्कारची टीला, चौक बाजार, घीया मण्डी होता हुआ देर रात खारी कुआं पर समाप्त हुआ।

जुलूस के मार्गों में जगह–जगह लंगर खाना, सबील, मीठे दूध का शरबत, खीर, आइसक्रीम, मिठाई आदि का वितरण किया गया। इस मौके पर मोहर्रम कमेटी अध्यक्ष भूरा शेख और सचिव अबरार खान वारसी ने सभी अलमदार, अखाड़ेदार और ताजियेदारों के उस्ताद खलीफाओं को निर्देश दिए। इस मौके पर भूरा शेख अध्यक्ष, अबरार खान वारसी सचिव, हाजी सूफी सईद हसन सरपरस्त, जहीर अब्बास जैदी उपाध्यक्ष, बबलू कुरैशी, डॉ शबनम कुरैशी, शारिक अली एडवोकेट, कासिम गाजी, बदले खलीफा, आरिफ कुरैशी, अली अब्बास, शाहिद कुरैशी, नासिर अली, क़ायम, नौशाद ख़ान आदि मौजूद थे।

ताजमहल पर गर्मी से बेहोश होकर गिरे कई पर्यटक

यूनिक समय, आगरा। ताजनगरी में पड़ रही भीषण गर्मी और चिलचिलाती धूप ने पर्यटकों की मुश्किलें बढ़ा दी है। गुरवार को ताजमहल का दीदार करने आए नौ पर्यटकों की गर्मी के कारण अचानक तबीयत बिगड़ गई, जिसके बाद उन्हें एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भिजवाया गया।

जानकारी के अनुसार,ताजमहल परिसर में भ्रमण के दौरान छत्तीसगढ़ के यामिनी साहू, लालाराम साहू और शैलेश कुमार को उल्टी, संगीता साहू को उल्टी–दस्त और प्रेमलता दिवाकर को तेज सिरदर्द की शिकायत हुई। वहीं गोरखपुर की अंशिका को उल्टी की समस्या हुई, जबकि महाराष्ट्र से आईं धनश्री चंद्रशेखर मंते, रिया मुकुंदा सूर्यवंशी और जिया मुकुंदा सूर्यवंशी अचानक बेहोश होकर गिर पड़ीं।

पर्यटकों की हालत बिगड़ती देख आनन–फानन में सभी को ताजमहल परिसर स्थित डिस्पेंसरी ले जाया गया। वहां मौजूद डॉक्टर ने प्राथमिक जांच के बाद हीट स्ट्रोक की आशंका को देखते हुए सभी मरीजों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल रेफर कर दिया। बाकी को जरूरी दवाई और ओआरएस का घोल दिया। आराम मिलने के बाद पर्यटक चले गए।